RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 प्रियंका छोड़ना चाहती थीं...

वर्ष : 26 अंक : 251 website:www.chetnamanch.com नोएडा, सोमवार, 02 सितंबर, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

आदमखोर भेड़ियों ने बच्ची की गर्दन पकड़ी, खा डाले हाथ-पैर

बहराइच में भेड़ियों का फिर हमला

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच में आदमखोर भेड़ियों को पकड़ने के लिए वन विभाग और प्रशासन 'ऑपरेशन भेड़िया' चला रहा है। लेकिन एक बार फिर रविवार की रात आदमखोर भेड़िये हरदी थाना इलाके के एक गांव में घुस गए। यहां से भेड़िया तीन साल की मासूम को उठाकर ले गए। मृतक बच्ची की मां ने बीती रात के भयानक मंजर को बताते हुए कहा कि उसने बच्ची को गले से दबोचा था, उसकी आवाज तक नहीं आई। भेड़िये ने एक वृद्ध महिला को भी घायल किया है।

यूपी के बहराइच इलाके में भेड़िये का आतंक है। बीती रात (शेष पृष्ठ-3 पर)

मनी लॉड्रिंग में 'आप' विधायक अमानतुल्लाह गिरफ्तार

दिल्ली वक्फ घोटाले में फंसे, 5 घंटे हुई पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी) आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायक अमानतुल्लाह खान के घर सोमवार सुबह ईडी ने छापा मारा। 5 घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने आप विधायक अमानतुल्लाह खान को गिरफ्तार कर लिया।

ईडी की इस कार्यवाही पर आप विधायक ने बड़ा दावा किया था और कहा था कि ईडी के लोग मुझे गिरफ्तार करने मेरे घर पहुंच गए हैं। दिल्ली पुलिस की भारी-भरकम टीम उनके घर के बाहर मौजूद थी। अर्धसैनिक बल के जवान भी मौजूद है। ईडी के 7 अधिकारी इस सर्च में शामिल हुए। 5 घंटे आप विधायक अमातुल्ला खान से पूछताछ करने के बाद ईडी की टीम आप विधायक को अपने साथ ले गई।

ईडी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि दिल्ली वक्फ घोटाले में अमानतुल्ला खान के घर पर सर्च ऑपरेशन चलाया है। ईडी के सात अधिकारी इस सर्च ऑपरेशन में शामिल हुए।

दिल्ली के ओखला विधानसभा क्षेत्र से विधायक अमानतुल्लाह खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए इसकी जानकारी दी। अमानतुल्लाह खान ने कहा कि अभी सुबह-सुबह तानाशाह के इशारे पर उनकी कठपुतली ईडी मेरे घर पर पहुंच चुकी है, मुझे और आम आदमी पार्टी नेताओं को परेशान करने में तानाशाह कोई कसर नहीं छोड़ रहा। ईमानदारी से अवाम की खिदमत करना गुनाह है? आखिर ये तानाशाही कब तक?

बता दें कि ईडी पहले भी अमानतुल्लाह खान से कई राउंड पूछताछ कर चुकी है। अमानतुल्लाह के वीडियो सोशल मीडिया पर डालने के बाद दिल्ली पुलिस का अतिरिक्त बल मौके पर पहुंचा। विधायक का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद और पुलिस व अर्धसैनिक बल को भेजा गया।

ईडी की इस छापेमारी पर अमानतुल्लाह के कजिन मिनातुल्लाह खान ने कहा कि उनके भाई की सास का हाल ही में ऑपरेशन हुआ है। वह कैंसर की मरीज हैं। एसीबी और सीबीआई की जांच के बावजूद अभी तक कुछ नहीं मिला। अब ईडी जांच कर रही है।

तानाशाही और गुंडागर्दी : संजय सिंह

पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने अमानतुल्लाह खान के इस दावे पर बोला कि ईडी की निर्दयता देखिए। अमानतुल्लाह खान पहले ईडी की जांच में शामिल हुए, उनसे आगे के लिए समय मांगा। उनकी सास को कैंसर है। उनका ऑपरेशन हुआ है। इस बीच ईडी ने उनके घर में सुबह-सुबह धावा बोल दिया। अमानतुल्लाह खान के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। लेकिन मोदी की तानाशाही और ईडी की गुडांगर्दी दोनों जारी है।

आवाज को दबाया : सिसोदिया

आप नेता मनीष सिसोदिया ने भी कहा कि ईडी का बस यही काम रह गया है। बीजेपी के खिलाफ उठने वाली हर आवाज को दबा दो जो टूटे नहीं, दबे नहीं उसे गिरफ्तार कर जेल में डाल दो।

लखनऊ में शिक्षक अभ्यर्थियों का बड़ा प्रदर्शन

लखनऊ (ब्यूरो)। इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद आज 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम के सरकारी आवास पर सुबह प्रदर्शन किया। अभ्यर्थी सड़क पर ही लेट गए। प्रदर्शन करने वाले अभ्यर्थियों ने यूपी की योगी सरकार के खिलाफ भी नारेबाजी की।

अभ्यर्थी इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के आदेश को तत्काल पालन करने की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप हैं कि हाईकोर्ट के फैसले के बाद भी उनकी सुनवाई नही हो रही हैं। उनकी मांग है कि कोर्ट के आदेश के अनुसार नई सूची जल्द जारी की जाए।

प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों के कहा कि अधिकारियों कि बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों की लापरवाही का नतीजा है कि हाईकोर्ट के निर्णय (शेष पृष्ठ-3 पर)

बैंक एजेंटों की धमकी से डरे दंपत्ति व बेटी ने खाया जहर

हापुड़ (एजेंसी)। बैंक लोन की वसूली से परेशान होकर थाना कपूरपुर क्षेत्र के गांव सपनावत में एक दंपती व उसकी 18 वर्षीय पुत्री ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। लोन चुकाने के लिए बैंक के एजेंट लगातार पीड़ित परिवार को प्रताड़ित कर रहे थे। बताया जा रहा है कि पिछले दिनों 5 बैंक एजेंट दंपत्ति के घर आए थे और उन्हें धमकी दी थी।

जानकारी के मुताबिक 31 अगस्त की रात बैंक के पांच एजेंट पीड़ित परिवार के घर पहुंचे थे। लोन की किस्त जमा करने को लेकर उन्होंने पीड़ित परिवार को धमकाया था। जिससे आहत होकर परिवार ने मौत को गले लगा लिया। घटना को लेकर पुलिस की जांच कर रही है।

गांव सपनावत में संजीव राणा अपनी पत्नी प्रेमवती, बेटी पायल, बेटे रिंकू और पिंटू के साथ रहता थे। उन्होंने निजी बैंक से कुछ समय पहले लोन लिया था। आरोप है कि लोन स्वीकृत होने के समय पीड़ित को जो रुपये देने बताए गए थे वह उसने नहीं दिए। 31 अगस्त को बैंक के करीब पांच एजेंट संजीव राणा के घर पहुंचे। वह अपनी पत्नी और बेटी के घर पर मौजूद थे। बैंक एजेंटों ने संजीव पर किश्त जमा करने का दबाव बनाया। इस पर संजीव ने कुछ दिन में किश्त जमा करने का आश्वासन दिया, लेकिन सिर पर कर्ज और बैंक कर्मचारियों के बर्ताव से संजीव राणा काफी आहत हो गए। इसी तनाव में उन्होंने 31 अगस्त की देर रात को पत्नी प्रेमवती और बेटी पायल के साथ जहर खा लिया।

पिता के साथ बाइक पर बैठी बेटी को युवक ने किए गंदे इशारे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अपनी बेटी को क्रिकेट अकेडमी में छोड़ने के लिए पिता जा रहा था तभी एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर अज्ञात युवक आया तथा उसने उसकी बेटी को आपत्तिजनक ईशारे करना शुरू कर दिया। जब पीड़ित ने विरोध किया तो उसने धमकी दी कि वह उसकी बेटी को अगवा कर ले जाएगा। इस मामले में पिता ने थाना बीटा-2 में रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना बीटा-2 पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीती रात को एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि रविवार की शाम को वह अपनी बेटी को स्कूटी पर बैठकर क्रिकेट अकादमी छोड़ने के लिए जा रहे थे, तभी पी-3 गोल चक्कर के पास एक अज्ञात युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर आया। उसने उनकी बेटी से आपत्तिजनक ईशारे करने शुरू कर दिए। जब उन्होंने इस बात का विरोध किया तो उसने उन्हें धमकी दी कि वह उनकी बेटी को उठाकर ले जाएगा। पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित पिता का कहना कि इस घटना के बाद वह तथा उनके परिवार काफी डरा हुआ है।

फैक्ट्री के बाहर से बाइक चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस -वन क्षेत्र के सेक्टर दो स्थित एक फैक्ट्री में काम करने वाले युवक की मोटरसाइकिल अज्ञात बदमाशों ने फैक्ट्री के बाहर से चोरी कर लिया। थाना फेस-1 पुलिस ने बताया कि अखिलेश कुमार पाल ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर -2 स्थित एक फैक्ट्री में काम करते हैं। पीड़ित के अनुसार उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल फैक्ट्री के बाहर खड़ी की थी। वहीं से अज्ञात बदमाशो ने उनकी बाइक चोरी कर ली है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

'सीएमएस व सर्जन की पश्चिमी उप्र के बाहर की जाए तैनाती'

हाईकोर्ट ने प्रदेश के प्रमुख सचिव को दिए आदेश

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-39 स्थित जिला चिकित्सालय में अब शीघ्र ही नये मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) की तैनाती होगी। वहीं यहां पर नए सर्जन की तैनाती की जाएगी।

दरअसल इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के न्यायमूर्ति राजन रॉय तथा न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला ने जिला अस्पताल में सीएमएस डा. रेनू अग्रुवाल तथा सर्जन राजेन्द्र कुमार का पश्चिमी उत्तर प्रदेश से बाहर तबादला करने के आदेश दिए हैं।

30 जुलाई को जारी आदेश में अदालत ने चिकित्सा स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव को यह निर्देश दिये हैं।

उधर सीएमएस डा. रेनू अग्रवाल ने बताया कि शासन की ओर से अभी तक तबादले का कोई आदेश नहीं मिला है। शासन जो भी आदेश देगा उसका पालन किया जाएगा।

बता दें कि शासन ने 13 जून 2023 को डा. रेनू अग्रवाल को गौतमबुद्धनगर जिले का सीएमएस तैनात किया था।

उनके पूर्व सर्जन डा. राजेन्द्र कुमार कार्यवाहक सीएमएस का कार्य देख रहे थे। इस पद पर डा. रेनू अग्रुवाल की दोबारा तैनाती में वरीयता क्रम की अनदेखी के कारण अदालत पूर्व में भी सीएमएस डा. रेनू अग्रुवाल को हटाने का आदेश दे चुका था। लेकिन शासन ने कोविड के दौरान बेहतर कार्य का हवाला देकर डा. रेनू अग्रवाल को नहीं हटाया। अदालत ने 30 अगस्त को दिये आदेश में सीएमएस डा. रेनू अग्रवाल तथा सर्जन राजेन्द्र कुमार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बाहर तैनात करने को कहा है। वहीं गौतमबुद्धनगर में नया सीएमएस तैनात करने के आदेश दिये।

महिला तथा बच्चों के साथ मारपीट

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-1 में एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि चार लोग उसके घर पर अचानक आए तथा उन्होंने उसके और उसके बच्चों के साथ मारपीट की। इस घटना में महिला की गले की चेन और कान की बाली भी खो गई है।

पुलिस ने बताया की बीती रात को श्रीमती सगीरा खातून निवासी सेक्टर-8 ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि लाडला, शहजादा, उजाला, तथा साबिर नामक चार लोग बीती रात उसके घर पर

अचानक घुस गए। जब आरोपी घर में आए तो महिला और उसके परिवार के लोग सो रहे थे। पीड़िता का आरोप है कि उन्होंने उसके तथा उसके बच्चों के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। इस दौरान उनके कान की बाली और सोने की चैन भी खो गई है। पुलिस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा में भाजपा का सदस्यता अभियान 4 सितंबर से चलेगा

4 लाख सदस्य बनाने का है लक्ष्य : उमेश त्यागी

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा 4 सितंबर से सदस्यता अभियान शुरू किया जाएगा। पहले चरण का यह अभियान 17 सितंबर तक चलेगा। उन्होंने कहा कि 4 लाख से अधिक नए सदस्य बनाए जाएंगे।

भाजपा के जिला महामंत्री तथा सदस्यता अभियान के प्रभारी उमेश त्यागी ने बताया कि आज शाम को 5 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदस्यता अभियान का शुभारंभ करेंगे। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सभी पदाधिकारी जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता देखेंगे। वहीं कल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 3 सितंबर के अभियान का शुभारंभ करेंगे। नोएडा में 4 सितंबर तक सदस्यता अभियान शुरू कर दिया जाएगा।

इसके पूर्व 4 सितंबर को एक पत्रकार वार्ता भी की जाएगी।

उन्होंने बताया कि पार्टी के सांसद विधायक के अलावा हर पदाधिकारी तथा मोर्चा व मंडलों के पदाधिकारी सदस्यता अभियान चलाएंगे। इस दौरान 4 लाख से अधिक नए सदस्यों को भारतीय जनता पार्टी से जोड़ा जाएगा।

ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट में '420 फेल'

अगस्त में 603 लोगों ने किया था आवेदन

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर में डीएल बनवाने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। लेकिन चौंका देने वाली बात यह है कि कुछ लोग टेस्ट में लगातार फेल भी हो रहे हैं। बताया यहां तक जा रहा है कि सैकड़ों लोग टेस्ट देने के लिए बिसाहड़ा स्थित केंद्र पर ही नहीं पहुंच रहे हैं। इस बीच ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने वाले, फेल होने वाले और टेस्ट ना देने वालों का एक आंकड़ा सामने आया है।

एआरटीओ प्रशासन डॉक्टर सियाराम वर्मा ने बताया कि डीएल बनवाने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि अगस्त के महीने में 603 लोगों ने लाइसेंस के लिए अप्लाई किया था। इनमें से 113 ही पास हुए बाकी 420 फेल हो गए। इसी तरह अगर बात की जाए जुलाई माह के

आकड़े की तो 4716 लोगों ने लाइसेंस के लिए अप्लाई किया था। जिनमें से 4615 लोगों के डीएल बन गए। जबकि 49 लोग डीएल बनवाने में फेल साबित हुए। एआरटीओ ने बताया कि कुछ ऐसे भी लोग हैं जो लाइसेंस के लिए अप्लाई तो कर देते हैं लेकिन टेस्ट देने नहीं पहुंच रहे हैं। ऐसे लोगों की संख्या सैकड़ों में पहुंच चुकी है। उन्होंने लोगों से अपील की है लाइसेंस के लिए अप्लाई करने वाले लोग टेस्ट देने के लिए केंद्र पर जरूर पहुंचे।

जानलेवा प्रदूषण

भारत में सूक्ष्म कणों से पैदा होने वाले जानलेवा प्रदूषण में गिरावट आई है। लेकिन अभी जीवन प्रत्याशा घटाने वाले प्रदूषण को लेकर जारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की हालिया वार्षिक रिपोर्ट 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024' बताती है कि भारत में साल 2021 की तुलना में 2022 के वायु प्रदूषण में 19.3 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, यह उपलब्धि मौजूदा हालात में बहुत बड़ी तो नहीं कही जा सकती है, लेकिन यह बात उत्साहवर्धक है कि प्रत्येक भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इक्यावन दिन की वृद्धि हुई है। हालांकि, हम अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों की कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं,लेकिन एक विश्वास जगा है कि युद्ध स्तर पर प्रयासों से भयावह प्रदूषण के खिलाफ किसी हद तक जंग जीती भी जा सकती है। लेकिन इसके साथ ही 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024' में यह भी चेताया गया है कि यदि भारत में डब्ल्यूएचओ के वार्षिक पीएम 2.5 के सांद्रता मानक के लक्ष्य पूरे नहीं होते तो भारतीयों की जीवन प्रत्याशा में करीब साढ़े तीन साल की कमी आने की आशंका पैदा हो सकती है। दरअसल, पीएम-2.5 हवा में विद्यमान ऐसे सूक्ष्म कण होते हैं जो हमारे श्वसनतंत्र पर घातक प्रभाव डालते हैं। उल्लेखनीय है कि एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की वार्षिक रिपोर्ट में उल्लेखित प्रदूषण में आई गिरावट की वजह अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियां बतायी गई हैं। हालांकि, हकीकत यह भी है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिये चलायी जा रही कई योजनाओं के सकारात्मक परिणामों का भी इसमें योगदान रहा है। खासकर भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत जिन शहरों को शामिल किया गया था, वहां भी पीएम-2.5 सांद्रता में गिरावट देखी गई है। वहीं स्वच्छ ईंधन कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव प्रदूषण नियंत्रण पर नजर आया है। इससे भारत के रिहाइशी इलाकों में कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिली है। ऐसी योजनाओं को पूरे देश में लागू करने का सुझाव भी दिया गया है। बहरहाल, हमें वर्ष 2022 के उत्साहजनक परिणामों के सामने आने के बाद व्यापक लक्ष्यों के प्रति उदासीन नहीं होना है। यह एक लंबी लड़ाई है और इसमें सरकार व समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि सरकारों के भरोसे ही लगातार गहराते पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है। राष्ट्रीय राजधानी में हर साल ठंड की दस्तक के बाद पराली जलाने और दिवाली पर पटाखे फोड़ने के बाद जो प्रदूषण का बड़ा संकट खड़ा होता है, उसमें हम अपनी जिद व लापरवाही की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकते। हम न भूलें कि देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की गिनती लगातार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में होती रही है। दरअसल, पीएम-2.5 कणों की सांद्रता बढ़ाने में हमारी लापरवाही की बड़ी भूमिका होती है, जिसमें सड़कों पर बढ़ते वाहनों का दबाव भी शामिल है। जिसके मूल में हमारी लचर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था भी है। हालांकि, राजधानी समेत कई अन्य राज्यों में मेट्रो ट्रेन शुरू होने के बाद प्रदूषण में काफी कमी आई है। इस दिशा में हमें दीर्घकालीन नीतियों के बारे में सोचना होगा। हमारी कोशिश हो कि घनी आबादी के बीच चलायी जा रही औद्योगिक इकाइयों को शहरों से दूर स्थापित किया जाए। हमारे उद्यमियों को भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रदूषण नियंत्रण में योगदान देना चाहिए। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि प्रदूषण में अप्रत्याशित वृद्धि के बाद दिल्ली आदि शहरों में चलाये जाने वाले ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान यानी ग्रेप जैसी व्यवस्था को नियमित रूप से लागू क्यों नहीं किया जा सकता। हालिया कुछ अध्ययनों में बताया गया है कि बढ़ता प्रदूषण नवजात शिशुओं तथा बच्चों की जीवन प्रत्याशा पर बुरा प्रभाव डाल रहा है। निस्संदेह, लगातार जहरीली होती हवा से मुक्ति नीति-नियंताओं की प्राथमिकता में शामिल होनी चाहिए। ऐसे में हमें पराली के निस्तारण, औद्योगिक कचरे के नियमन तथा कार्बन उत्सर्जन करने वाले ईंधन पर रोक लगाने जैसे फौरी उपाय तुरंत करने चाहिए। ऐसे तमाम प्रदूषण स्रोतों को नियंत्रित करने की जरूरत है जो हमारे जीवन पर संकट पैदा कर रहे हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि संपूर्ण अनगिनत उत्पातों को शांत करने वाला भरतजी का चरित्र नदी तट पर किया जाने वाला जपयज्ञ है। कलियुग के पापों और दुष्टों के अवगुणों के जो वर्णन हैं, वे ही इस नदी के जल का कीचड़ और बगुले-कौए हैं।। उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कीरति सरित छहूँ रितु रूरी। समय सुहावनि पावनि भूरी॥
हिम हिमसैलसुता सिव ब्याहू। सिसिर सुखद प्रभु जनम उछाहू॥

यह कीर्तिरूपिणी नदी छहों ऋतुओं में सुंदर है। सभी समय यह परम सुहावनी और अत्यंत पवित्र है। इसमें शिव-पार्वती का विवाह हेमंत ऋतु है। श्री रामचंद्रजी के जन्म का उत्सव सुखदायी शिशिर ऋतु है॥

बरनब राम बिबाह समाजू। सो मुद मंगलमय रितुराजू॥
ग्रीषम दुसह राम बनगवनू। पंथकथा खर आतप पवनू॥

श्री रामचंद्रजी के विवाह समाज का वर्णन ही आनंद-मंगलमय ऋतुराज वसंत है। श्री रामजी का वनगमन दु:सह ग्रीष्म ऋतु है और मार्ग की कथा ही कड़ी धूप और लू है॥

बरषा घोर निसाचर रारी। सुरकुल सालि सुमंगलकारी॥
राम राज सुख बिनय बड़ाई। बिसद सुखद सोइ सरद सुहाई॥

राक्षसों के साथ घोर युद्ध ही वर्षा ऋतु है, जो देवकुल रूपी धान के लिए सुंदर कल्याण करने वाली है। रामचंद्रजी के राज्यकाल का जो सुख, विनम्रता और बड़ाई है, वही निर्मल सुख देने वाली सुहावनी शरद् ऋतु है॥

(क्रमश:..)

अराजक राजनीति से अपराध के दलदल में भद्रलोक

बंकिम चंद्र की शस्य-श्यामला माटी वाला पश्चिम बंगाल एक शक्ति-पूजक समाज है। शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती हर साल मां दुर्गा के स्वागत में विभोर हो जाती है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान किस प्रकार की परंपरा का हिस्सा रहा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। मूर्तियों को बनाने के लिए सबसे पहले उन वेश्याओं के घर से मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें समाज आम तौर पर त्याज्य और गंदा मानता है। इस प्रकार बंगाल की धरती कितनी नारी-पूजक रही है, यह स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में भी देखने को मिलता है, जो अन्य राज्यों में कम ही मिलता है।

स्वाधीनता संग्राम में जिन तीन महिलाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई और अपने ज्ञान व संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थीं। पहली थीं अरुणा गांगुली, जिन्होंने बाद में अरुणा आसफ अली का नाम अपनाया। दूसरी थीं सुचेता मजूमदार, जो सुचेता कृपलानी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। तीसरी थीं सरोजिनी चट्टोपाध्याय, जिन्होंने बाद में भारत कोकिला सरोजिनी नायडू का नाम पाया।

बंगाल की माटी ने महिलाओं को कितना सम्मान दिया, इसका एक और उदाहरण कमला देवी चट्टोपाध्याय हैं। जब भारत के अन्य इलाकों की महिलाएं घूंघट के पीछे सिर्फ परिवार के काम में व्यस्त थीं, तब बंगाल ने अपनी बेटियों को वाजिब सम्मान और अवसर दिए। बंगाल में कभी महिलाओं के साथ बदसलूकी की कल्पना तक नहीं की जाती थी।

अब स्थिति बदल गई है। इसका एक उदाहरण हाल ही में राधागोविंद कर अस्पताल में हुई घटना है। स्वतंत्रता की 77वीं सालगिरह की रात, जब पूरा देश उत्सव में था, कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर की बर्बरतापूर्वक बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। बंगाल में देर रात तक दफ्तर से लौटने वाली लड़कियों की कभी चिंता नहीं होती थी, लेकिन अब लोग अपनी बच्चियों के लिए चिंतित हो गए हैं। यह बंगाल में महिला के खिलाफ ऐसी बर्बरता की शायद पहली घटना है। इससे बंगाली समाज का क्रोध और क्षोभ स्वाभाविक है।

दिलचस्प यह है कि पश्चिम बंगाल इकलौता ऐसा राज्य है, जिसे महिला मुख्यमंत्री का गौरव प्राप्त है। एक महिला के शासन में इस

प्रकार का दुराचार लोगों के लिए असहनीय है। इसलिए बंगाल इन दिनों बहुत उबाल पर है। बंगाल का बौद्धिक समाज सड़कों पर उतर आया है। पश्चिम बंगाल में हाल ही में संदेशखाली से महिलाओं के बलात्कार की खबरें आई थीं। वहां की घटनाओं की परतें खुलने पर पता चला कि बलात्कार की घटनाएं अपराध और राजनीति के नापाक गठजोड़ का नतीजा थीं। संदेशखाली की पीड़िताओं की खबरें भले ही उबाल ला पाईं, लेकिन आरजी कर अस्पताल की घटना ने कहीं अधिक ध्यान खींचा। इसका कारण यह हो सकता है कि संदेशखाली की पीड़िताएं ग्रामीण इलाकों से थीं, जबकि आरजी कर की घटना कोलकाता शहर में हुई, जिसे भद्रलोक समाज के लिए जाना जाता है।

पश्चिम बंगाल की कड़वी सच्चाई बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ है। 34 वर्षों के वामपंथी शासन के दौरान इस घुसपैठ को वैधता मिली। वामपंथी शासन व्यवस्था के दौरान पार्टी कैडर के नाम पर बड़े झुंड उभरे। पश्चिम बंगाल के वासी इस संस्थागत व्यवस्था से इतने परेशान हो गए कि उन्हें ममता बनर्जी में नई उम्मीद दिखी। बंगाली समाज को लगा कि ममता एक नई बयार बनकर पश्चिम बंगाल की व्यवस्था में जमी काई को साफ करेंगी। लेकिन अफसोस, ऐसा नहीं हुआ। ममता भी उसी दिशा में चल पड़ीं, जिस दिशा में वामपंथी कैडर चलते थे।

प्रशासन लगातार या तो पंगु होता गया या फिर सत्ताधारी तंत्र का चारण बनता गया। प्रशासन का यह चारण रूप 16 अगस्त को भी दिखा, जब आरजी कर की पीड़िता की रिपोर्ट साढ़े ग्यारह बजे रात को दर्ज की गई, जबकि बलात्कार और हत्या पंद्रह अगस्त की रात दो से ढाई बजे के बीच हो चुकी थी। इसे सुप्रीम कोर्ट ने भी नोटिस किया और कोलकाता पुलिस को फटकार भी लगाई। ममता की अगुआई में कोलकाता में बलात्कार और हत्या के विरोध में धरना दिया गया। यह धरना ऐसा था, जो सरकार के खिलाफ सरकार द्वारा ही दिया गया था। ऐसा किसी भी लोकतांत्रिक समाज में कम से कम अब तक नहीं देखा गया है। ममता ने प्रशासन में कोई गुणात्मक बदलाव नहीं किया, बल्कि वामपंथ जैसी कैडर व्यवस्था को अपना लिया। इससे राज्य में अपराध बढ़ा और पुलिस का इकबाल कम हुआ। पुलिस की लाचारगी आरजी कर बलात्कार में भी नजर आई।

बंगाल के बारे में कहा जाता रहा है कि 'बंगाल जो आज सोचता है, वैसी सोच भविष्य में अन्य राज्यों की होती है।' इस उम्मीद को कायम रखते हुए भद्रलोक समाज को चाहिए कि वह इस दिशा में भी सोचे। उसका गुस्सा एक ऐसे बंगाल की रचना करे, जहां रवींद्र संगीत गूंजता रहे, बंकिम के गीत गाए जाएं और नारियां स्वतंत्र रूप से काम कर सकें। जहां सिंदूर खेला होगा, घुंघुंची नृत्य होगा और दुर्गा देवी की पूजा होगी।

-उमेश चतुर्वेदी

डंकी रूट से जुड़े संकट एवं दर्द को कौन सुनेगा?

भारतीयों में विदेश जाकर पढ़ने और नौकरी का क्रेज है, यह सालों से रहा है। पंजाब, गुजरात के लोगों ने अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन में अपनी अच्छी जगह बनाई है लेकिन हाल के सालों में बहुत सारे भारतीय गैर-कानूनी यात्रा के शिकार होकर कुछ ने अपनी जान गवांई है तो कुछ अनेक तकलीफों का सामना कर रहे हैं। अवैध तरीकों से डंकी रूट से अमेरिका आदि देशों में युवाओं को भेजकर जानलेवा अंधी गलियों में धकेलने वाले एजेंटों ने भले ही मोटी कमाई की हो, लेकिन इस काले कारनामों एवं गौरखधंधे पर समय रहते कार्रवाई न होना सरकार की बड़ी विफलता है। मोटी कमाई और चमकीले सपनों का सम्मोहन युवाओं की सोचने-समझने की शक्ति को ही कुंद कर देता है कि वे अपनी जान तक को भी जोखिम में डाल देते हैं। दरअसल, डंकी रूट अमेरिका आदि देशों में जाने का एक ऐसा अवैध रास्ता है, जिसमें सीमा नियंत्रण के प्रावधानों को धता बताकर एक लंबी व चक्करदार यात्रा के माध्यम से दूसरे देश ले जाया जाता है।

डंकी रूट का मतलब ऐसे रास्ते हैं जो अवैध रूप से लोगों को एक देश से दूसरे देश ले जाता है। पंजाब में डंकी रूट एक दशक से भी ज्यादा समय से एक खुला रहस्य रहा है। यह शब्द पंजाबी शब्द 'डुंकी' से आया है, जिसका अर्थ है एक जगह से दूसरी जगह कूदना। एक दशक से जारी इस गोरखधंधा-डंकी प्रेक्टिस का तब पर्दाफाश हुआ एवं यह अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आया जब इसके अन्तर्गत दिसंबर 2023 में फ्रांस ने मानव तस्करी के संदेह में दुबई से निकारागुआ जा रहे 303 भारतीय यात्रियों वाले एक चार्टर विमान को रोक दिया था। इनमें से अधिकांश को वापस भारत भेज दिया गया था। हाल ही में पंजाब में समाना के चार युवाओं की दर्दनाक कहानी उजागर हुई है, जिन्हें एजेंटों ने मोटी रकम वसूलकर जानलेवा हालातों में धकेल दिया। उनसे दो चरणों में करीब ढाई करोड़ रुपये वसूले गये और घातक परिस्थितियों में धकेल दिया गया। कई दिन जंगलों में उन्हें भूखा रहना पड़ा। फोन व जूते छीन लेने से उन्हें नंगे पैरों पैदल चलना पड़ा। डंकी रूट में लिप्त एजेंट अपराधी है, युवा-सपनों को चूर-चूर करने वाले धोखेबाज है। यह दर्द एवं विडम्बना केवल पंजाब की नहीं है, बल्कि गुजरात एवं देश के अन्य भागों के युवाओं की भी है। रोजगार के साथ-साथ शिक्षा सबसे बड़ी वजह है डंकी रूट की। कुछ देशों में तकनीकी तथा अन्य प्रोफेशनल शिक्षा पर भारत के मुकाबले कम खर्च होते हैं इसलिए भी छात्र विदेश जाना पसंद करते हैं। जिन्हें कम समय में अच्छी कमाई करके अच्छी लाइफ स्टाइल में जीने की ख्वाहिश होती है या फिर जो भारत में किसी क्राइम में शामिल होते हैं वे भी गैरकानूनी तरीका अख्तियार करते हैं।

डंकी रूट के ज़रिए लोग अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में अवैध तरीके से प्रवेश करते हैं। इस रास्ते में कई जानलेवा खतरों का सामना करना पड़ता है। कई बार, अवैध तरीके से एंट्री करने के दौरान लोगों की मौत भी हो जाती है। साल 2022 में, अमेरिका-कनाडा बॉर्डर से 10 मीटर की दूरी पर एक गुजराती परिवार की लाश मिली थी, यह परिवार बर्फ़ीले तूफ़ान की चपेट में आ गया था। इसी साल अप्रैल में, एक और गुजराती परिवार की मौत हो गई थी। अमेरिका में एंट्री से पहले ही सेंट

लॉरेंस नदी में उनकी बोट डूब गई थी। इस घटना में पति-पत्नी और उनके दो बच्चे मारे गए थे। युवाओं का धोखेबाज एजेंटों के जाल में फंसना हमारे शासन तंत्र की नाकामी ही है। यदि ऐसे एजेंट समय रहते कानून व्यवस्था के शिकंजे में फंस गये होते तो युवा ठगी के शिकार न बनते। आखिर हम अपने युवाओं को देश में सम्मानजनक रोजगार क्यों नहीं दे पा रहे हैं? भारत सरकार अन्य देशों के साथ मिलकर युवाओं को धोखे से विदेश भेजने वाले एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है? निस्संदेह, विभिन्न राष्ट्रों के सहयोग से दलाली-ठगी करने वाले इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय गिरोहों का खातमा करना अपेक्षित है। एशिया, यूरोप व मध्य अमेरिका तक दलालों के जाल बिछे हैं।

शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' में इस समस्या को उभारा गया है। इस फिल्म में अवैध तरीके से विदेश जाने के तरीके को एवं उसमें होने वाली परेशानियों को दिखाया गया है। मूवी दिखाती है कि सात समंदर पार जाने का सपना लिए लोग कैसे-कैसे अवैध तरीके अपनाते हैं, कितनी दुश्वारियां और कितना पैसा खर्च कर देते हैं। 'डंकी रूट' एक विकराल होती समस्या है। भारत में बढ़ती बेरोजगारी जहां इस समस्या का बड़ा कारण है, वहीं किस तरह युवा भी धैर्य व कठिन परिश्रम के बजाय रातोंरात अमीर बनने के सपने सजोते हुए इन संकटों को आमंत्रित करते हैं। आखिर क्या वजह है कि मां-बाप जमीन बेचकर व अपने गहने-मकान गिरवी रखकर बच्चों को विदेश भेजने को आतुर हैं? आखिर सुनहरे सपनों की चकाचौंध में हमारे युवा दलालों के हाथों के खिलौने क्यों बन रहे हैं? अमेरिका एवं अन्य देशों में जाने के सम्मोहन में अपने जीवन को इस तरह जोखिम में डालना युवा क्यों उचित मानते हैं? पिछले दिनों दलालों ने देश के युवाओं को सुनहरे सपने दिखाकर युद्धरत रूस की फौज में भी भर्ती करवा दिया। कई युवाओं के युद्ध में मरने की खबरें भी आई। दरअसल, युवाओं की इस बदहाली की वजह भ्रष्ट व बेईमान ट्रैवल एजेंट तो हैं ही, हमारी सरकारें भी इसके लिये कम जिम्मेदार नहीं है।

हाल ही में डंकी यात्रा पूरी करने वाले लोगों के परिवारों ने बताया कि मानव तस्कर अक्सर नई दिल्ली और मुंबई से प्रवासियों को पर्यटक वीजा पर संयुक्त अरब अमीरात ले जाते हैं। फिर वे वेनेजुएला, निकारागुआ और ग्वाटेमाला जैसे लैटिन अमेरिका के एक दर्जन से ज्यादा ट्रांजिट बिंदुओं से गुजरते हुए अमेरिका-मेक्सिको सीमा तक पहुंचते हैं। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, बीते पांच साल में दो लाख से ज्यादा भारतीय अवैध तरीके से अमेरिका में घुसते हुए पकड़े गए हैं। ऐसे मामले उजागर होने के तुरंत बाद कुछ गिरफ्तारियां इस बड़े संकट का समाधान नहीं है। इन आपराधिक कृत्यों में लिप्त एजेंट कुछ समय के लिये चुप बैठकर फिर से अपने नापाक खेल में सक्रिय हो जाते हैं। वैसे वे युवा भी कम दोषी नहीं हैं जो वास्तविक स्थिति को जाने बिना शॉर्टकट रास्ते के लिये दलालों को पैसे देने को तैयार हो जाते हैं। दरअसल, विदेश जाने के इच्छुक उम्मीदवारों को आधिकारिक चैनल को दरकिनार करने के खतरों के बारे में भी बताना चाहिए। इसके लिये उन्हें सचेत करने के मकसद से जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

हमारे देश के युवा अमीर देशों में पलायन करने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या गरीबी से छुटकारा पाने वालों एवं आकांक्षाओं से भी जुड़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही विदेश में निम्न-स्तरीय नौकरियां मिले लेकिन बेहतर वेतन के लोभ में युवा ऐसी नौकरियां करते हैं।

भारत में बेरोजगारी का आलम यह है कि उत्तर प्रदेश में 60 हजार कांस्टेबल की भर्ती के लिये 48 लाख से भी अधिक युवा-प्रार्थियों ने आवेदन किया है। थक-हारकर ऐसी एवं अन्य नौकरियों के लिये कोशिशों में नाकाम रहने वाले युवा विदेशों की ओर पलायन करते हैं। कई लोगों की राय में अमेरिका में होने वाली अच्छी कमाई डंकी रूट की जोखिमों एवं परेशानियों की भरपाई कर देती है। कई परिवारों ने कहा कि उनके बेटे और भतीजे हर महीने कम से कम दो लाख रुपये घर भेजते हैं और वे मुख्य रूप से गैस स्टेशन, मॉल, किराना स्टोर और रेस्तरां में फुल या पार्ट टाइम जॉब करते हैं। एक शख्स के अनुसार उसका भतीजा कैलिफोर्निया में एक डेयरी फार्म में प्रतिदिन लगभग 100 डॉलर कमाता है, जबकि यहां भारत में वह वही काम करके एक महीने में 6,000 रुपये कमाता था। रिश्तेदारों के मुताबिक, इस धन से न केवल उन्हें कर्ज उतारने, स्कूल की फीस भरने, दहेज, घर की मरम्मत और नई कार खरीदने में मदद मिली, बल्कि इससे उनकी सामाजिक स्थिति भी सुधरी। माना जाता है कि हाल के वर्षों में देखे गए वीजा बैकलॉग ने भी कुछ संभावित प्रवासियों को डंकी रूट अपनाने के लिए प्रेरित किया है। संभावित प्रवासियों के लिए यह निर्णय भारी कीमत और बहुत बड़े जोखिम के साथ आता है। विडम्बना देखिये कि मुट्ठी भर डंकी प्रवासियों की सफलता की कहानियां बहुसंख्यकों को गुमराह करती हैं। हर कोई प्रवास के लाभों के बारे में बात करता रहता है, लेकिन कोई भी समस्याओं और चुनौतियों के बारे में बात नहीं करता।

लेखक-ललित गर्ग

राशिफल

भाद्रपद कृष्ण पक्ष : अमावस्या | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मन परेशान रहेगा। बच्चों के सेहत को लेकर मन परेशान रहेगा। प्रेम में तू-तू,मैं-मैं का संकेत है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
घरेलू सुख बाधित होगा। गृह-कला के संकेत हैं। मां के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वंय के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यावसायिक ऊर्जा थोड़ी मध्यम रहेगी। अपनों के स्वास्थ्य को लेकर मन परेशान रहेगा। नाक,कान और गला की परेशानी हो सकती है।

कर्क- (ही, हू, है, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आर्थिक हानि के संकेत हैं। निवेश करने से बचें। अपनों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
ऊर्जा का स्तर घटा रहेगा। बुझे-बुझे से रहेंगे। प्रेम-संतान और व्यापार अच्छा रहेगा। शिवजी को जल देते रहें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
अनाब-सनाब खर्चे होंगे। सिर दर्द और नेत्र पीड़ा संभव है। प्रेम-संतान मध्यम और व्यापार मध्यम है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आर्थिक उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा बहुत खुशनुमा नहीं रहेगा। प्रेम-संतान मध्यम और व्यापार मध्यम है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
कोर्ट-कचहरी से बचें। स्वास्थ्य मध्यम, सीने में विकार संभव है। राजनीतिक गलियारों में बहुत अच्छा स्थिति नहीं दिख रहा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
मान-हानि के संकेत हैं। प्रतिष्ठा पर आंच न आने दें। स्वास्थ्य ठीक है। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार भी अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चोट-चपेट लग सकता है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वंय के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी हो गई है। व्यापार भी ठीक है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य मध्यम है। चोट-चपेट लग सकता है। शत्रु परास्त होंगे। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। प्रेम-संतान मध्यम रहेगा।

सदस्यता अभियान को लेकर भाजपा की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा सदस्यता पर्व अभियान को लेकर जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने ज़िला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर बैठक कर कार्य योजना बनायी।

जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कहा कि 2 सितंबर यानि आज पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नडडा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सदस्यता दिलाकर अभियान की शुरुआत करेंगे और उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर 200 सदस्य बनाने के कार्य में लगेंगे। उसके लिये सेक्टर प्रभारी बनाकर 5 से 6 बूथों पर सदस्यता अभियान को लेकर बैठक कर ज़्यादा से ज़्यादा कार्य करें। बैठक में मुख्यरूप से ज़िला महामंत्री योगेश चौधरी, धर्मेन्द्र कोरी, कर्मवीर आर्य, डॉक्टर पूजा गंगानिया, रवि जिन्दल, सत्यपाल शर्मा, अशोक भाटी, मनीष भाटी, मानकचंद शर्मा, कपिल भाटी, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सपा ने सदस्यता अभियान चलाकर लोगों को पार्टी से जोड़ा : भाटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। छात्र-नौजवान पीडीए जागरूकता अभियान के तहत समाजवादी महिला सभा की नवनियुक्त जिलाध्यक्ष डॉ. शशि यादव के नेतृत्व में टीचर्स कॉलोनी, दनकौर में सदस्यता भर्ती कैम्प का आयोजन किया गया।

इस दौरान सैकड़ो महिला और पुरुषों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की इस मौके पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहा है। महिलाओं और बेटियों के साथ छेड़छाड़, हत्या, दुष्कर्म की घटना में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में पूरी तरह से नाकाम साबित हुई है, लिहाजा बहन बेटियां घर से निकलने में डर रही हैं।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल में महिला और बेटियों के उत्थान एवं सुरक्षा प्रदान करने के लिए अनेक योजना चलाई गई थी और उन्हें मुख्य धारा में जोड़ने का काम किया गया था। इस मौके पर समाजवादी महिला सभा की जिलाध्यक्ष डॉ. शशि यादव ने कहा कि भाजपा के शासन में बेटियों पर जुल्म हो रहे है। भाजपा सरकार महिलाओं शोषण करने वालों को संरक्षण दे रही है। महिलाओं के प्रति अपराध करने वालों को सजा देने के बजाय सरकार उनका बचाव करने में जुट जाती है।

इस मौके पर मुख्य रूप से दनकौर नगर अध्यक्ष वीरपाल नागर, पूर्व जिलाध्यक्ष बीर सिंह यादव, लोकसभा पूर्व प्रत्याशी डॉक्टर महेंद्र नागर, जिला उपाध्यक्ष अमित भाटी, कृष्णा चौहान, गौरा जाटव, विकास जतन प्रधान, प्रशांत भाटी, कुलदीप भाटी, यशपाल भाटी, हुकम सिंह भारती, अनीता चौहान, सरोज खारी, विपिन कसाना, महेश जाटव, देवेंद्र नेता जी, शाहरुख खान, जावेद अंसारी, प्राची यादव, शाहरुख जायसवाल, खुशी यादव, मुकेशश्री आदि मौजूद रहे।

अखिलेश यादव से मिले भाकियू (भानू) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अपने क्षेत्र की जटिल समस्याओं, किसानों के पिछले कई वर्षों से लंबित मांगो एवं अन्य मुद्दों को लेकर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहित सिंह रावल, भारतीय किसान यूनियन (भानू) गुट, युवा शक्ति राष्ट्रीय उपाध्यक्ष करणी सेना ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से उनके आवास पर से प्रेम भेंट की।

अखिलेश यादव द्वारा असीम स्नेह पाकर बहुत अभिभूत हुआ। उन्होंने हमारे द्वारा बताई गई जन समस्याओं को बड़ी गंभीरता के साथ में सुना, तथा आश्वस्त किया कि आम जनमानस एवं किसानों से जुड़ी समस्याओं को लोक सभा में वह स्वयं एवं विधानसभा में अपनी पार्टी द्वारा उठाने का कार्य करेंगे। तथा सरकार पर दबाव बनाएंगे कि किसानों की समस्याओं का निराकरण फिक्र से शीघ्र करें।

श्री धार्मिक रामलीला कमेटी की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री धार्मिक रामलीला कमेटी की कार्यकारिणी वा पदाधिकारियों की एक बैठक बीटा-2 ठाकुरद्वारा मंदिर में परम पूज्य गोस्वामी सुशील महाराज जी के अध्यक्षता में की गई। जिसमें 3 अक्टूबर से लेकर 12 अक्टूबर तक रामलीला का मंचन किया जाएगा।

संस्था के अध्यक्ष आनंद भाटी ने बताया रामलीला का मंचन राजस्थान के कलाकारों के दुबारा रामलीला मैदान ऐचेछर पाई सैक्टर रामलीला का भूमि पूजन 8 सितंबर को किया जाएगा।

इस मौके पर संस्था के मुख्य संस्थापक गोस्वामी सुशील जी महाराज, संस्थापक ऐडवोकेट राजकुमार नागर, संरक्षक हरवीर मावी, नरेश कुमार गुप्ता, शेर सिंह भाटी, पंडित प्रदीप शर्मा, बालकिशन सफीपुर, सुशील नागर, उमेश गौतम, आनंद भाटी अध्यक्ष, ममता तिवारी महासचिव, अजय कुमार नागर कोषाध्यक्ष, धीरेंद्र भाटी मीडिया प्रभारी, महेश शर्मा, पवन कुमार नागर, रोशन सिंह, फिरे प्रधान अतुल आनंद, दिनेश कुमार गुप्ता, बीरपाल मावी, राजेश शर्मा आदि सदस्य उपस्थित थे।

विहिप का षष्टी पूर्ति समापन हुआ सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। विश्व हिन्दू परिषद का षष्टी पूर्ति समापन कार्यक्रम शहीद भगत सिंह इंटर कालेज रोजा जलालपुर मंगल पांडे प्रखंड, जिला गौतमबुद्धनगर मे संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकास विभाग मंत्री, जिला अध्यक्ष विनय, कार्यक्रम अध्यक्ष भंवर सिंह, मुख्य अतिथि सुखबीर, महिला अतिथि श्रीमती पुष्पा (राष्ट्रीय सेविका समिति), प्रखंड अध्यक्ष शैंकी, संत समाज से महामंडलेश्वर सुबोधानंद जी महाराज, गिरिराज महाराज और धर्म जागरण से धर्मवीर थे। दीप प्रज्वलन, आचार पद्धति और सरस्वती वंदना से इस कार्यक्रम की शुरुवात हुई और अतिथिगणों का सम्मान किया गया।

बच्चों और बड़ों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम किए, जिसमे शिव तांडव स्त्रोत, हम है वीर शिवा के वंशज, समरसता मंत्र,देश हम देता है सब कुछ कुछ कार्यक्रम तथा और कार्यक्रम भी हुए।

महिला अतिथि श्रीमती पुष्पा ने रानी दुर्गावती, राजमाता अहिल्या बाई होलकर और लव जिहाद के बारे में समाज का जन जागरण किया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष भंवर सिंह जी ने अपने आशीर्वचन दिए और प्रखंड अध्यक्ष शैंकी जी ने सबका आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के अंत में पूर्णता मंत्र, शांति पाठ और जय घोष, गायत्री मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन प्रखंड मंत्री सर्वेंद्र ने किया। कार्यक्रम में 220 लोग उपस्थित रहे।

डीलरों के तंग करने पर सोरखा में हुई बैठक

सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले भू-माफिया पर हो कार्यवाही : शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। आज सोरखा एक्सटेंशन कॉलोनी में सामुदायिक केंद्र बारात घर पर कॉलोनी वालों ने मिलकर एक मीटिंग रखी जिसका मुख्य कारण था यहां की डीलरों और जमीन के मालिकों द्वारा लोगों के घरों पर जाकर बार-बार उन्हें परेशान करना।

डीलरों द्वारा खसरा नंबर 877. 819.582 603. के लोगों की गलत खसरा और गलत रजिस्ट्री की गई थी बार-बार इन जमीन मालिकों से रिक्वेस्ट कर रहे हैं रजिस्ट्री के पेपर सही करवा दिया जाये लेकिन हमारे बीच में प्रीति यादव उनका भाई राहुल यादव सचिन यादव स्वर्गीय महेंद्र यादव स्वर्गीय पुत्र धर्मपाल यादव आकर लोगों के बीच में आकर बार-बार रजिस्ट्री चेक करवाने के नाम पर लोगों को बेवजह परेशान कर रहे हैं ।

आज की मीटिंग में कॉलोनी के सैकड़ो लोगों ने हिस्सा लिया एवं अपने-अपने विचार रखें इसमें सभी लोग एक मत होकर यह निर्णय किए हैं कि जिश जमीन का जो भी खसरा नंबर गलत है अगर सही तय समय पर जमीनों का खसरा नंबर सही नहीं करवाते हैं/ गलत कराने वाले लोगों खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और जो लोग खाली प्लूटो को बार-बार बेचने एवं पुलिस प्रशासन की मिली भगत से सरकारी जमीनों पर लगातार कब्जा कर रहे हैं/ जिसकी शिकायत जिला प्रशासन से कई बार की गई है/भूलेख अधिकारी पुनः सरकारी जमीनों की नापतोलकर चिन्हित करें सरकारी जमीन कब जाने वाले भूमाफियाओं के खिलाफ एक बार फिर से जिला प्रशासन को लिखित शिकायत दी जाएगी

ग्रामीण विकास समिति के वरिष्ठ नेता सलाहकार लायक हुसैन, मुख्य सलाहकार धर्मवीर सोलंकी, श्यामानंद झा, अध्यक्ष हरगोविंद सिंह, गोपी, एडवोकेट अनुज त्यागी, राजकुमार उर्फ खिलाड़ी मनोहर, मनोज त्यागी, राजकुमार, सत्यपाल चौहान, टीटू, परमीत के अलावा महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित रहे।

सतीश कुमार ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं का पदभार संभाला

प्रयागराज (ब्यूरो)। सतीश कुमार ने रेलवे बोर्ड (रेल मंत्रालय) के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभाल लिया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने हाल ही में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ के रूप में श्री सतीश कुमार की नियुक्ति को मंजूरी दी थी।

भारतीय रेलवे मैकेनिकल इंजीनियर्स सेवा (आईआरएसएमई) के 1986 बैच के एक अधिकारी सतीश कुमार ने अपने 34 वर्षों से अधिक के शानदार करियर के दौरान भारतीय रेलवे में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 8 नवंबर 2022 को, उन्होंने उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार संभाला, जो उनकी सार्वजनिक सेवा की यात्रा में एक और बड़ी उपलब्धि रही। उनकी शैक्षिक पृष्ठभूमि उनकी पेशेवर उपलब्धियों जितनी ही प्रभावशाली है। उन्होंने जयपुर के प्रतिष्ठित मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनआईटी) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री हासिल की है और इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) से ऑपरेशन मैनेजमेंट एवं साइबर लॉ में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा की डिग्री के साथ अपने ज्ञान को और उन्नत किया है।

भारतीय रेलवे में सतीश कुमार का करियर मार्च 1988 में शुरू हुआ और तब से, उन्होंने रेलवे प्रणाली में नवाचार, दक्षता और सुरक्षा व्यवस्था में सुधार लाते हुए विभिन्न प्रक्षेत्रों (जोन) और मंडलों (डिवीजनों) में विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिकाओं में योगदान दिया है। उनकी प्रारंभिक पदस्थापनाओं (पोस्टिंग) में तत्कालीन मध्य रेलवे का झांसी मंडल और वाराणसी में डीजल लोकोमोटिव वर्क्स (डीएलडब्ल्यू) शामिल थे, जहां उन्होंने लोकोमोटिव इंजीनियरिंग एवं रखरखाव के क्षेत्र में अपने कौशल को निखारा। बाद में उन्होंने पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर और पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स में अपनी सेवाएं दीं और महत्वपूर्ण परियोजनाओं में योगदान दिया, जिससे इन मंडलों की परिचालन संबंधी दक्षता में वृद्धि हुई।

श्री कुमार के करियर का एक उल्लेखनीय पहलू टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट (टीक्यूएम) के प्रति उनकी प्रतिबद्धता है। वर्ष 1996 में, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के तहत टीक्यूएम में विशेष प्रशिक्षण हासिल किया। इस प्रशिक्षण ने रेलवे प्रबंधन के प्रति उनके दृष्टिकोण को आकार देने, निरंतर सुधार और गुणवत्ता के उच्चतम मानकों के पालन पर ध्यान केन्द्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीक्यूएम के सिद्धांतों से जुड़े उनके अनुप्रयोग स्पष्ट रूप से उनके द्वारा शुरू की गई विभिन्न परियोजनाओं में परिलक्षित हुए हैं, जिससे रेलवे के परिचालन संबंधी सुरक्षा एवं विश्वसनीयता में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

सतीश कुमार का एक महत्वपूर्ण योगदान फॉग सेफ डिवाइस से संबंधित उनका काम है। यह एक ऐसा नवाचार है, जो कोहरे के दौरान रेलगाड़ियों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण साबित हुआ है। यह उपकरण भारतीय रेलवे के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है, जो सर्दियों के महीनों के दौरान, विशेष रूप से देश के उत्तरी क्षेत्रों में कम दृश्यता से जुड़े जोखिमों को काफी कम कर देता है। इस तकनीक को बेहतर बनाने के उनके प्रयासों ने उन्हें विभिन्न क्षेत्रों से पहचान और सराहना दिलाई है।

अप्रैल 2017 से अप्रैल 2019 के दौरान, श्री कुमार ने उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) के रूप में कार्य किया। डीआरएम के रूप में उनके कार्यकाल में कई ऐसे ढांचागत विकास हुए, जिससे उक्त क्षेत्र में रेलवे नेटवर्क मजबूत हुआ। उनकी सबसे सराहनीय उपलब्धियों में से एक 2019 में कुंभ मेले के दौरान सफल संचालन था। यह एक ऐसा विशाल आयोजन था, जिसमें लाखों तीर्थयात्रियों के प्रवाह को प्रबंधित करने के लिए सुव्यवस्थित योजना और समन्वय की आवश्यकता थी। उनके नेतृत्व ने इस अवधि के दौरान रेलवे सेवाओं के सुचारू परिचालन को सुनिश्चित किया, जिसके लिए उन्हें संगठन के सभी स्तरों पर प्रशंसा हासिल हुई।

पृष्ठ एक के शेष....

बहराइच में...

गरेठी गुरुदत्त सिंह गांव में भेड़ियों ने तीन साल की एक बच्ची को निशाना बनाया। इस बच्ची की मां मीनू ने बताया कि देर रात करीब साढ़े तीन बजे वो अपनी सबसे छोटी बच्ची को दूध देने के बाद सोई। उसके बाद एक भेड़िया आया और बच्ची को लेकर चला गया। बच्ची को उसने गले से दबोचा, जिसकी वजह से उसकी आवाज तक नहीं निकली। वह लड़की के हाथ और पैर खा गया।

इतना ही नहीं बच्ची को ले जाने के ठीक दो मिनट बाद भेड़िया एक बार फिर आया। मीनू ने बताया कि तब तक गांव के लोग इकट्ठे हो गए थे तो उन्होंने उस भेड़िये को तुरंत भगा दिया।

इतना ही नहीं प्रशासन दावा कर रहा है कि यहां सिर्फ दो भेड़िये और बचे हुए हैं क्योंकि चार को पकड़ा जा चुका है, लेकिन मीनू ने बताया कि बीती रात ही तीन भेड़िये थे। जिनमें से आगे वाला बच्ची का शरीर लेकर जा रहा था और बाकी के दोनों भेड़िये पीछे-पीछे चल रहे थे।

वहीं गांववालों ने बताया कि कल शाम 7 बजे करीब उन्होंने भेड़िये के घर के सामने तालाब के पास देखा था। वन विभाग को बताया भी, लेकिन उन्होंने कहा कि पहले भेड़िये का वीडियो भेजो फिर आएंगे। बच्ची के घर के अलावा आस-पास 300 मीटर के दायरे में कुल 3 घरों को भेड़ियों ने रविवार को टारगेट किया, जहां भेड़ियों के पैरों के निशान भी देखे गए।

बहराइच की डीएम मोनिका रानी ने बताया कि विशेष समस्या यह आ रही है कि ये घटनाएं एक गांव में न होकर अलग-अलग गांवों में हो रही हैं। वन विभाग और पुलिस की टीमें लगातार लोगों को जागरूक कर रही हैं। मैं यह अपील करना चाहती हूं कि कुछ दिनों के लिए लोग जागरूक रहें और घरों के अंदर ही सोएं। ये घटनाएं अलग-अलग माह की हैं। पिछले महीने यानी जुलाई से अब तक यह आठवीं घटना है। शासन इस मामले को लेकर बहुत संवेदनशील है और शासन द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है जिसमें सफलता भी मिली है। 4 भेड़िए पकड़े भी गए हैं।

लखनऊ में शिक्षक...

को एक माह हो गये हैं। बावजूद इसके अभी तक फैसले का पालन नही किया गया। जबकि खुद मुख्यमंत्री ने इसको लेकर निर्देश जारी कर चुके हैं। अब जब मामला सुप्रीम कोर्ट में जाएगा तो एक बार फिर से आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को न्याय के लिए इंतजार करना पड़ सकता हैं। हम पिछले 4 साल से संघर्ष कर रहे हैं। इसलिए आज डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या के आवास का घेराव करने आये हैं।

640 दिनों तक धरना दिया

इससे पहले भी 69000 शिक्षक भर्ती के इन अभ्यर्थियों ने लंबे समय तक लखनऊ में धरना दिया था। अभ्यर्थियों ने तमाम नेताओं के घरों का भी घेराव किया था। तब इन अभ्यर्थियों ने पिछड़ों और दलितों के आरक्षण पर नेताओं की चुप्पी पर सवाल खड़े किए थे। मार्च 2022 से ही आरक्षित वर्ग के इन अभ्यर्थियों का लगातार धरना और प्रदर्शन लखनऊ में चला। लखनऊ के ईको गार्डन में धरना देने के साथ मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री समेत बड़ी संख्या में मंत्रियों के आवास पर भी कई बार प्रदर्शन कर चुके थे। अभ्यर्थियों आरोप था कि 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण के नियमों की अनदेखी हुई हैं। अभ्यर्थियों का कहना था कि इस बात को सरकार ने भी माना हैं। बावजूद इसके इस वर्ग के सभी मंत्री और नेता भी इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं। और चयनित होने के बावजूद इन्हें नियुक्ति नही मिल रही। बाद में हाईकोर्ट की डबल बेंच ने इनके पक्ष में निर्णय सुनाया था।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

रास्ते की मांग को लेकर दुहाई टोल पर प्रदर्शन

गाजियाबाद (चेतना मंच)। दुहाई टोल पर किसानों ने अपने खेतों पर जाने के लिए रास्ते की मांग को लेकर दुहाई टोल का घेराव किया गया।और टोल फ्री कर दिए गए। किसानों ने मांगे नहीं मानी जाने तक धरना जारी रखने की चेतावनी दी है। जिला अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह के नेतृत्व में सेकडो किसानों ने दुहाई टोल पर धरना शुरू किया गया।

इस मौके पर भाकियू के राष्ट्रीय चौधरी ओमपाल सिंह,प्रदेश उपाध्यक्ष रामकुमार सिंह,जिला प्रभारी जय कुमार मलिक,महिला विंग की अध्यक्ष बबीता सिंह,जिला प्रवक्ता पूनम चौधरी,कोषाध्यक्ष पवन चौधरी,युवा चौधरी छोटे चौधरी, विनीत चौधरी,अंसार अली,रक्षित चौधरी,सिंटू निहार,राहुल सुराना,नगर अध्यक्ष आलोक चौधरी,अरुण कसाना, यशवीर सिंह,महेश यादव,संजीव (ढिंडार), तहसील अध्यक्ष वेदपाल मुखिया,राजेंद्र सिंह,डॉक्टर महमूद ,इस्लाम,डॉक्टर आसिफ ,एजाज कुशलिया, मुस्तफा,अर्श मलिक, आदि सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

खास खबर

विमान दुर्घटना में 03 लोगों की मौत

वाशिंगटन। पोर्टलैंड के पूर्वी क्षेत्र में शनिवार सुबह एक छोटा विमान अनियंत्रित होकर अनेक मकानों से टकराया, जिससे उसमें आग लग गई। विमान हादसे में 03 लोगों की मौत हो गई, जिसकी जानकारी अधिकारियों ने दी है। आधिकारिक तौर पर घटना के संबंध में जानकारी दे रहे अधिकारियों ने बताया कि उक्त छोटे विमान में दो लोग सवार थे और कम से कम एक रहवासी लापता है। पोर्टलैंड में सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों और वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक मकान में आग लगी हुई है, जबकि आसपास के घरों से काला धुआं उठ रहा है। इस पर ग्रेशम दमकल विभाग के प्रमुख स्कॉट लुइस का कहना था, कि आग कम से कम चार घरों में फैली, जिस कारण छह परिवारों को वहां से हटाया गया। घटनास्थल पर दो लोगों को प्राथमिक उपचार दिया गया, लेकिन इससे यह स्पष्ट नहीं हुआ कि ये लोग कैसे घायल हुए और उनकी हालत गंभीर थी या नहीं।

दो फिलिस्तीनियों की गोली मारकर हत्या

रामल्लाह। गाजा में हमसा और इजराइज पोलियो अभियान को लेकर युद्धविराम पर राजी होने के बाद भी इजरायली सेना ने शनिवार को उत्तरी वेस्ट बैंक के जेनिन में दो फिलिस्तीनियों की हत्या कर दी, जबकि शहर में इजरायल का सैन्य अभियान चौथे दिन में प्रवेश कर गया। यह जानकारी फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने कहा कि जेनिन शरणार्थी शिविर में पहुंचने के बाद इजरायली सेना ने उसके कर्मचारियों को शव ले जाने से रोक दिया। सोसायटी ने यह भी कहा कि उसकी टीमें बिजली गुल होने से आपातकालीन मामलों को जेनिन सरकारी अस्पताल से अल-रजी अस्पताल ले जा रही थी। फिलिस्तीनी पीएम मोहम्मद मुस्तफा ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठनों और रेडक्रॉस से अस्पताल की नाकाबंदी हटाने और एम्बुलेंस और चिकित्सा टीमों के लिए व्यवधान को दूर करने के लिए दबाव डालने का आह्वान किया है।

एक सुरंग से छह बंधकों के शव बरामद

येरुशलम। इजराइली सेना ने गाजा पट्टी में एक सुरंग से छह बंधकों के शवों का बरामद किया कर उनकी शिनाख्त की और कहा कि हमास के लड़ाकों ने इजराइली सेना द्वारा उन्हें बचाने से कुछ देर पहले ही उनकी हत्या कर दी। सेना ने मारे गए बंधकों की पहचान हेर्श गोल्डबर्ग-पोलिन, ओरी दानिनो, एडन यरूशालमी, अल्मोग सारूसी और एलेक्जेंडर लोबानोव के रूप में की है। इन सभी बंधकों को 7 अक्टूबर को हमास के हमले के दौरान एक संगीत महोत्सव से अगवा कर लिया गया था। कार्मल गट नामक व्यक्ति का अपहरण पास ही में स्थित कृषक क्षेत्र बेरी से किया गया था। इजराइली सेना के प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि इससे पहले कि हम उन्हें बचा पाते, उनकी हत्या कर दी गई। बता दें हमास-इजराइल के बीच कई महीनों से जंग जारी है जिसमें इजराइली हमलों में कई बेगुनाह फलस्तीनी बच्चे, महिलाएं मारे जा चुके हैं और कई अस्पताल में भर्ती हैं।

आंध्रप्रदेश के कई इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन से जनजीवन अस्त-व्यस्त

आपदा टीम ने 80 लोगों को बचाया, तेलंगाना में भी हाई अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश से बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई है, जिसके कारण सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इसके साथ ही तेलंगाना में भी हाई अलर्ट जारी कर दिया है क्योंकि बंगाल की खाड़ी में दबाव के कारण तटीय राज्यों में भारी बारिश होने की संभावना है। बाढ़ और भूस्खलन से जूझ रहे आंध्र प्रदेश में बारिश के चलते कम से कम आठ लोगों की मौत हो चुकी है। निचले इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है और आपदा राहत बलों और पुलिस के अभियान के चलते करीब 80 लोगों को बचाया गया है। आपदा पीड़ितों

में से पांच की मौत विजयवाड़ा के मोगलराजपुरम में भूस्खलन से हुई। अधिकारियों ने कहा कि भारी बारिश से मोगलराजपुरम में एक ही स्थान पर भूस्खलन हुआ, जिसमें दो घरों पर बड़े-बड़े पत्थर गिरे। गुंटूर जिले में घर लौट रहे एक शिक्षक और दो छात्रों मौत हो गई जब उनकी कार एक उफनती धारा को पार करते समय बह गई। सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में विजयवाड़ा, मछलीपट्टनम, गुड़ीवाड़ा, कैकालुरु, नरसापुरम, अमरावती, मंगलागिरी, नंदीगामा और भीमावरम सहित अन्य स्थान शामिल हैं। आंध्र सरकार ने सार्वजनिक एसओएस के लिए एक राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष की घोषणा की है। सरकार ने नागरिकों को आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के लिए नियंत्रण कक्ष का नंबर +919032384168 पर संपर्क करने की सलाह दी है।मध्य भारत के राज्यों के अलावा दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में भी भारी बारिश की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक रविवार को तेलंगाना और विदर्भ में भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा एक-दो जगहों पर तेज भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक तेलंगाना, विदर्भ के अलावा तटीय आंध्रप्रदेश, रायलसीमा, कर्नाटक और मराठवाड़ा में भारी से तेज भारी बारिश का अनुमान है। इसके साथ ही केरल, तटीय महाराष्ट्र और मध्य महाराष्ट्र के क्षेत्रों में भी भारी बारिश हो सकती है।

लैंडस्लाइड से चार की मौत, पांच-पांच लाख देने की घोषणा

आंध्र प्रदेश में भारी बारिश के चलते विजयवाड़ा में लैंडस्लाइड की घटना में चार लोगों की जान चली गई। जानकारी के मुताबिक लैंडस्लाइड विजयवाड़ा के मोगलराजपुरम इलाके में हुआ, जब भारी बारिश के कारण बड़े-बड़े पत्थर मृतकों के घरों पर गिरे। आंध्र के सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू ने भूस्खलन पीड़ितों के परिजन को पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि विजयवाड़ा के मोगलराजपुरम में लैंडस्लाइड हुआ, जिससे चार लोगों की मौत हो गई। नायडू ने मौतों पर दुख व्यक्त किया। सीमए नायडू ने अधिकारियों को लैंडस्लाइड की आशंका वाले स्थानों से लोगों को निकालने के निर्देश दिए क्योंकि अगले दो से तीन दिनों में भारी बारिश होने का अनुमान है। शनिवार सुबह 8:30 बजे से पिछले 24 घंटे के दौरान विजयवाड़ा शहर में 18 सेंटीमीटर बारिश हुई।

कोलकाता हत्याकांड के विरोध में पूरे बंगाल में धरना प्रदर्शन

- ममता सरकार ने आज विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या मामले के विरोध में रविवार को रैलियां और प्रदर्शन किए जा रहे हैं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी दल बीजेपी के साथ-साथ नागरिक संगठनों के सदस्यों की पूरे पश्चिम बंगाल में सड़कों पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन करने की योजना है। टीएमसी की महिला सदस्य बलात्कारियों को मौत की सजा देने के लिए कानून में संशोधन की मांग

को लेकर प्रदर्शन कर रही हैं। वहीं, बीजेपी एस्प्लेनेड का धरना जारी है। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा था कि प्रदर्शनकारी चाहते हैं कि सीएम ममता बनर्जी इस मामले को लेकर इस्तीफा दें। पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया है, जिसमें दुष्कर्म के दोषियों को मौत की सजा का प्रावधान संबंधी एक विधेयक पेश कर उसे पारित किया जाएगा। रविवार दोपहर मध्य कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से एस्प्लेनेड तक भव्य महा मिछिल रैली निकाली गई, जिसमें समाज के कई वर्गों के लोग शामिल हुए। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि यह एक गैर-राजनीतिक रैली है और इसकी योजना सोशल मीडिया पर बनाई गई।

अमेरिका में बस पलटने से सात की मौत, 37 घायल

वाशिंगटन। अमेरिका के मिसिसिपी में एक बस के पलट जाने से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 37 यात्री घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बस वॉरेन काउंटी में बोविना के पास राजमार्ग से फिसलकर पलट गई। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में बताया कि दुर्घटना टायर फटने की वजह से हुई। छह यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि एक अन्य की अस्पताल में मौत हुई। मृतकों में छह साल का एक लड़का और उसकी 16 साल की बहन भी शामिल हैं। दोनों की पहचान उनकी मां ने की। अधिकारी अन्य मृतकों की पहचान करने का प्रयास कर रहे हैं। घायल 37 यात्रियों को अस्पतालों में ले जाया गया।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेता ने परिवार समेत खाया जहर, सभी की मौत

एजेंसी

जांजगीर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में एक कांग्रेस नेता ने अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ जहर खाकर खुदकुशी कर ली। बड़े बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं कांग्रेस नेता, पत्नी और छोटे बेटे को गंभीर हालत में बिलासपुर के सिम्स अस्पताल में भर्ती किया गया जहां तीनों ने रविवार सुबह दम तोड़ दिया।

जानकारी के मुताबिक कर्ज से परेशान कांग्रेस नेता ने यह कदम उठाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांजगीर के बोंगापार निवासी कांग्रेस नेता पंचराम यादव (66) पत्नी दिनेश नंदनी यादव (55) पुत्र नीरज यादव बंटी (28) और सूरज यादव (25) ने विगत दिवस जहर खा लिया था। किसी को पता न चले इसलिए उन्होंने घर के बाहर से दरवाजे में ताला लगा दिया था और पीछे के दरवाजे से जाकर दरवाजा अंदर से बंद कर दिया। इस खुलासा तब हुआ जब पड़ोस में रहने वाली एक लड़की उनके घर पहुंची। दो-तीन बार आवाज लगाने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो उसे कुछ अनहोनी होने का शक हुआ और उसने आसपास के लोगों को इसकी सूचना दी। जब पड़ोसी और उसके रिश्तेदार घर के अंदर गए तो सभी गंभीर अवस्था में पड़े हुए थे। बड़े बेटे की तो मौके पर ही मौत हो गई थी। पंचराम और उनकी पत्नी और बेटे को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान रविवार सुबह इन तीनों ने भी दम तोड़ दिया।

सिर्फ राहत ही नहीं, बाढ़ निवारण पर भी ध्यान दे केंद्र : मायावती

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने केंद्र सरकार पर देश के कई हिस्सों में उत्पन्न बाढ़ की समस्या से निपटने में नाकाम रहने का आरोप लगाया है। मायावती ने रविवार को कहा कि सरकारों को सिर्फ राहत ही नहीं, बल्कि बाढ़ निवारण पर भी ध्यान देना चाहिए। मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा-देश के कई राज्यों में भारी बारिश के कारण बाढ़ से उपजे हालात से सही से नहीं निपट पाने के कारण लाखों परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी तबाही

लोगों का जीवन बर्बाद कर देती है। उन्होंने कहा, सिर्फ राहत ही नहीं, बल्कि सरकारों को बाढ़ निवारण पर भी समुचित ध्यान देना चाहिए। बता दें कि गुजरात और त्रिपुरा समेत देश के कई राज्यों में विशेषकर मध्य व पश्चिमी क्षेत्र में भारी बारिश और बाढ़ से हालात बद से बदतर हैं।

फिलीपींस में मंकीपॉक्स के तीन नए मामले मिले

मनीला। फिलीपींस में मंकीपॉक्स के तीन मामले सामने आए हैं, जिससे देश में इन मामलों की संख्या आठ हो गई है। यह जानकारी मनीला के स्वास्थ्य विभाग (डीओएच) ने रविवार को दी। फिलीपीन के स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि तीन नए मामलों में मेट्रो मनीला के एक पुरुष और दक्षिण मनीला का एक पुरुष शामिल हैं। डीओएच के प्रवक्ता ने कहा कि फिलीपींस में जुलाई 2022 से अब तक 17 मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा, 2023 से अब तक नौ मामले ठीक हो चुके हैं। आठ सक्रिय हैं जो लक्षणों के ठीक होने का इंतजार कर रहे हैं।

बलूचिस्तान में भड़की हिंसा में अब तक 70 की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान प्रांत में इस हफ्ते हमलों की एक तेज लहर ने खलबली मचा दी, जिसमें 70 से अधिक लोग मारे गए। अलगाववादी बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के ताजा हमले, पहले के किसी भी ऐसे हमले से अधिक बड़े थे। इसने एक बार फिर बलूच विद्रोह को दुनिया के सामने ला दिया है। यह विद्रोह दशकों से पाकिस्तान के कमजोर हिस्से के रूप में गरीब और उपेक्षित बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों और शोषण से प्रेरित है। पाकिस्तान के 40 फीसदी इलाके के लोग आखिर इसके जरिये क्या हासिल

करना चाहते हैं?बीएलए के पुलिस स्टेशनों और प्रमुख राजमार्गों पर हमले, बलूच नेता नवाब अकबर खान बुगती की पुण्यतिथि के मौके के आसपास हुए हैं। जो 18 साल पहले तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के चलाए गए कई आतंकवाद विरोधी अभियानों में से एक में मारे गए थे। बुगती की हत्या के बाद और ज्यादा हथियारबंद अलगाववादी समूहों का उदय हुआ। जो अब न केवल पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और चीनी हितों को बल्कि पंजाबी और सिंधी प्रवासी मजदूरों को भी निशाना बनाते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमले बड़े पैमाने पर किए गए थे और विद्रोहियों के बढ़ते दुस्साहस, उनके मजबूत समर्थन आधार और आजाद तौर पर काम करने की बढ़ती क्षमता को दिखाते हैं। बीएलए ने पंजाबी मजदूरों को निशाना बनाना एक नया जातीय आयाम पेश किया है, जो संकेत देता है कि बलूच कट्टरपंथी मुख्य रूप से पंजाबी सेना को भड़काने और चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में बीएलए द्वारा मारे गए लोगों में से लगभग आधे पंजाबी मजदूर थे। बलूच लोग पंजाबियों की आमद से नाराज हैं, जिन्हें बलूच लोगों की कीमत पर बलूचिस्तान में पैदा होने वाले आर्थिक अवसरों से लाभा पाते देखा जाता है।

गाजा में चलाया गया पोलियो रोधी टीकाकरण

एजेंसी

गाजा। जंग से हुई तबाही के बीच पोलियो रोधी टीकाकरण अभियान का आगाज किया गया। गाजा पट्टी में रविवार को फलस्तीन के स्वास्थ्य प्राधिकारियों और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों ने मिलकर पोलियो रोधी टीकाकरण अभियान चलाते हुए बच्चों को टीके लगाए हैं।

गौरतलब है कि इजराइल और हमास के बीच जारी जंग के कारण सबसे अधिक तबाह गाजा पट्टी हुई है। ऐसे में यह एक सकारात्मक पक्ष सामने आया कि बच्चों को पोलियो रोधी टीकाकरण अभियान चलाया गया है। बताया जा रहा है कि मध्य गाजा में बुधवार दिन तक बच्चों को टीका लगाया जाएगा। इसके बाद उत्तरी तथा दक्षिणी हिस्सों में टीकाकरण अभियान संचालित

किया जाएगा। बताते चलें कि स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा शनिवार को कुछ बच्चों को पोलियो रोधी टीका लगाकर इस अभियान की शुरूआत की गई थी। इस अभियान के तहत करीब 6,40,000 बच्चों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, इजराइल ने पोलियोरोधी टीकाकरण को देखते हुए सैन्य अभियान को सीमित समय के लिए रोकने पर सहमति जताई है। दीर अल-बलाह और नुसेरात के अस्पतालों ने भी टीकाकरण अभियान शुरू किए जाने की जानकारी दी है।

इराक में आईएस के हमले में दो की मौत

बगदाद। बगदाद के उत्तर में स्थित सलाहुद्दीन प्रांत में आईएस समूह की बमबारी में दो लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। यह विस्फोट सलाहुद्दीन प्रांत की एक रेगिस्तानी सड़क पर एक कार के पास हुआ। मीडिया रिपोर्ट के मुताबक विस्फोट में कार पूरी तरह नष्ट हो गई और इसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया है। बता दें 2017 में आईएस की हार के बाद से सुरक्षा में सुधार के बावजूद, समूह के बचे हुए सदस्य इराक में गुरिल्ला हमला करते रहते हैं। वह शहरी केंद्रों, रेगिस्तानों और ऊबड़-खाबड़ इलाकों में घुसपैठ करते हैं और सुरक्षा बलों और नागरिकों को निशाना बनाते हैं।

शिवाजी प्रतिमा मामला : महाराष्ट्र विकास अघाड़ी का विरोध प्रदर्श

एजेंसी

मुंबई। मुंबई में महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमव्हीए) द्वारा रविवार को सरकार के खिलाफ जूते मारो आंदोलन चलाया गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढह जाने के विरोध में यह आंदोलन चलाया गया है। महाराष्ट्र विकास अघाड़ी का प्रोटेस्ट के बीच में कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, कि सरकार को इस घटना पर शर्म आनी चाहिए। सरकार को तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के कोल्हापुर में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति ढह जाने के विरोध में रविवार 01 सितंबर को महाराष्ट्र विकास अघाड़ी मुंबई में प्रदर्शन करते हुए जूते मारो आंदोलन चलाई है।

इसके चलते साउथ मुंबई के हुतात्मा चौक से गेटवे ऑफ इंडिया तक पैदल मार्च निकाला गया। इसमें शरद पवार के साथ ही उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे, सुप्रिया सुले, नाना पटोले समेत एमव्हीए की तीनों पार्टियों के बड़े नेता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान सरकार के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान उद्धव ठाकरे ने सीएम शिंदे समेत ही डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के पोस्टर पर चप्पल मारकर अपनी भावनाएं प्रकट कीं। उन्होंने कहा, कि पीएम मोदी का माफी मांगना अंहकार से भरा हुआ था। वहीं, दूसरी तरफ शरद पवार ने कहा, कि शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरना भ्रष्टाचार का एक जागता-जीता उदाहरण है।

जम्मू और कश्मीर चुनाव में वंशवाद की तीसरी पीढ़ी चुनाव मैदान में

एजेंसी

नई दिल्ली। वंशवाद की राजनीति लोगों में चर्चा के लिए पसंदीदा विषय है। देश में वंशवादी राजनीति की शुरूआत जम्मू और कश्मीर से होती है, जहां दो परिवारों, अब्दुल्ला और मुफ्ती ने दशकों से सार्वजनिक जीवन पर दबदबा कायम रखा है। कश्मीर में वर्तमान में चुनावी माहौल है। राजनीतिक वंशजों की नई पीढ़ी यहां के अशांत राजनीतिक परिदृश्य में अपनी जगह बनाने को तैयार है। इनके कंधों पर अपने प्रभावशाली माता-पिताओं की विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है। जम्मू-कश्मीर का प्रमुख राजनीतिक परिवार अब्दुल्ला हैं, जिनकी तीन पीढ़ियों में कम से कम चार मुख्यमंत्री रहे हैं। अब्दुल्ला परिवार की तीसरी पीढ़ी के नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) नेता उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। जबकि उनके पिता फारूक अब्दुल्ला 2009 और 2014 के बीच यूपीए-2 सरकार में केंद्रीय मंत्री होने के अलावा कई बार राज्य के कई बार सीएम रह चुके हैं। उमर के दादा शेख अब्दुल्ला हैं जिन्हें लोकप्रिय रूप से शेर-ए-कश्मीर (कश्मीर का शेर) कहा जाता है, उन्होंने कश्मीर के प्रधानमंत्री और बाद में मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने से पहले एनसी की स्थापना की थी।

राज्य की शीर्ष कुर्सी से परिवार के संबंध यहीं खत्म नहीं होते हैं। फारूक के बहनोई गुलाम मोहम्मद शाह 1980 के दशक में मुख्यमंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा, शेख

अब्दुल्ला के भाई, शेख मुस्तफा कमाल ने राज्य में मंत्री के रूप में काम किया है। जबकि फारूक के चचेरे भाई शेख नजीर, एनसी के सबसे लंबे समय तक सेवारत महासचिव थे। उन्होंने लगभग तीन दशकों तक इस पद पर काम किया था। 2015 में उनका निधन हो गया। पूर्व सीएम और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला इस बार विधानसभा चुनाव में गांदरबल से लड़ रहे हैं। अब्दुल्ला परिवार के बाद कश्मीर में कोई दूसरा ताकतवर राजनीतिक परिवार है, तब वहां मुफ्ती हैं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं। सईद पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री भी रहे। जब मुफ्ती सईद का निधन हुआ, तब पार्टी की कमान उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती ने संभाल ली। पार्टी ने उन्हें पिता की जगह मुख्यमंत्री पद पर भी नियुक्त किया। बेटी महबूबा मुफ्ती के बाद सईद के बेटे, सिनेमैटोग्राफर, तसद्दुक मुफ्ती ने भी राजनीति में कदम रखा। मुफ्ती परिवार की राजनीति में नवीनतम प्रवेशकर्ता हैं महबूबा मुफ्ती की बेटी और मुफ्ती मुहम्मद सईद की नातिन इल्तिजा मुफ्ती। इस चुनाव में शायद सभी नवोदितों में वह सबसे हाई-प्रोफाइल हैं। कई मुद्दों पर अपने स्पष्ट और सशक्त विचारों के साथ, विशेष रूप से अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद, इल्तिजा ने पहले ही कश्मीर के राजनीतिक परिदृश्य पर अपनी छाप छोड़ दी है। इल्तिजा ने अनंतनाग की बिजबेहरा सीट से नामांकन भरा है।

वहीं मियां मेहर अली, सांसद मियां अल्ताफ अहमद के बेटे हैं। मेहर अली कंगन (गांदरबल की एक तहसील) की राजनीति में अपने परिवार की चौथी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका राजनीति में आना इलाके में खानदान के मजबूत दबदबे का भी संकेत है। वहीं सलमान सागर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के महासचिव और पूर्व मंत्री अली मुहम्मद सागर के बेटे हैं।

यूपी के बाराबंकी जिले के तराई क्षेत्र में तेंदुए की दहशत

एजेंसी

बाराबंकी । यूपी के बाराबंकी जिले के तराई क्षेत्र में लगातार पिछले कई दिनों से तेंदुआ देखे जाने से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जहां गांव के कुछ लोगों ने गन्ने के खेत के किनारे खतरनाक जंगली जानवर को घूमता देखा और उसके शोर मचाने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए, जिसके बाद ग्राम प्रधान की सूचना पर 112 पीआरवी, वन विभाग के अधिकारी व उनकी टीम मौके पर पहुंची। यहां वन विभाग के काफी तलाश के दौरान जंगली जानवर के पदचिह्न मिलने के बाद वन विभाग के अधिकारी अपनी टीम और ग्रामीणों के साथ लगातार कॉबिंग कर रहे हैं। रात में भी वन

विभाग की टीम ने ग्रामीणों के साथ गांव में ही कैंप लगाकर जंगली जानवर की तलाश में कॉबिंग की। साथ ही वन विभाग ने गांव में पिंजरा भी लगवाया है. साथ ही ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है। दरअसल, पूरा मामला बाराबंकी की तहसील रामनगर क्षेत्र के ग्राम पुरैना गांव से जुड़ा हुआ है, जहां पर पिछले कई दिनों से एक तेंदुआ देखे जाने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

खास खबर

सेबी ने डेरिवेटिव सेगमेंट में शेयरों के जमा किए

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डेरिवेटिव सेगमेंट में शेयरों के जमा और निकासी के मानदंडों में कई बदलाव किए। संशोधित नियमों के तहत स्टॉक के लिए मीडियन क्वार्टर सिग्मा ऑर्डर साइज (एमक्यूएसओएस) को 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 75 लाख रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा मिनिमम मार्केट वाइड पोजिशन लिमिट (एमडब्ल्यूपीएल) को 500 करोड़ से तीन गुना बढ़ाकर 1,500 करोड़ कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष में जुलाई तक राज्यों को 3.66 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। वित्त मंत्रालय ने अपने वित्तीय लेखा-जोखा की रिपोर्ट जारी की।

पाकिस्तान में पेट्रोल 2 रुपए, डीजल 3 रुपए सस्ता

इस्लामाबाद। कंगाली के जूझ रहे पाकिस्तान में महंगाई चरम पर है। इसी बीच वहां के आवाम के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। पाकिस्तान सरकार ने आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की है। वित्त मंत्रालय की ओर से इस संबंध में आदेश कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल की कीमतों में 1.86 रुपए व हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) की कीमतों में 3.32 रुपए प्रति लीटर की कटौती की गई है। सरकार की ओर फ्यूल प्राइस में कटौती के बाद हाई स्पीड डीजल की नई कीमत 266 रुपए 07 पैसे हो गई है। वहीं पेट्रोल की कीमत पहले 260 रुपए 96 पैसे थी, जो अब 259 रुपए 10 पैसे हो गई है।

हीरो मोटो कॉर्प ने संजय भान को बनाया कार्यकारी उपाध्यक्ष

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने वैश्विक कारोबार मामलों के अपने मुख्य व्यापार अधिकारी संजय भान को पदोन्नत कर कार्यकारी उपाध्यक्ष बनाया है। उनकी नियुक्ति एक सितंबर से प्रभाव में आ गई है। हीरो मोटोकॉर्प ने शेयर बाजार को बताया कि भान अपनी नई भूमिका में हाल में स्थापित ग्लोबल मार्केट इनसाइट्स फंक्शन के साथ-साथ वैश्विक उत्पाद योजना (जीपीपी) पोर्टफोलियो का भी नेतृत्व करेंगे। भान ग्लोबल बिजनेस और जीपीपी के सीईओ को रिपोर्ट करना जारी रखेंगे। इसके अतिरिक्त वह ग्लोबल मार्केट इनसाइट्स फंक्शन के प्रमुख के रूप में सीधे कार्यकारी चेयरमैन को रिपोर्ट करेंगे। साथ ही खेल इकाई का भी नेतृत्व करेंगे।

सोनी सब में राजेश ने वंदना के साथ की शरारत

हजारीबाग। सोनी सब का 'वागले की दुनिया - एक नाटकीय मोड़ तब लिया जब साई दर्शन सोसाइटी में एक युवा लड़के ने दावा किया कि राजेश वागले उसके पिता हैं। इससे पूरी सोसाइटी हैरान रह गई और उन्होंने सच्चाई की तलाश शुरू कर दी। आने वाले एपिसोड में, दर्शक देखेंगे कि राजेश की पत्नी वंदना इस दावे से बेपरवाह रहती है। वह राजेश पर दृढ़ता से विश्वास करती है और उसे यकीन होता है कि वह कभी भी कोई अविश्वसनीय काम नहीं करेगा। यह अप्रत्याशित शरारत राजेश और वंदना के बीच मजबूत विश्वास और संबंध को सामने लाती है।

एफपीआई ने शेयर बाजारों में 7,320 करोड़ का किया निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में घरेलू शेयर बाजार में केवल 7,320 करोड़ रुपये का निवेश किया। शेयरों के उच्च मूल्यांकन और बैंक ऑफ जापान के ब्याज दर बढ़ाने के बाद येन कैरी ट्रेड यानी निम्न ब्याज दर वाले वाले देश से कर्ज लेकर दूसरे देश की परिसंपत्तियों में निवेश के समाप्त होने के बीच उन्होंने सतर्क रुख अपनाया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक यह निवेश जुलाई में 32,365 करोड़ रुपये और जून में 26,565 करोड़ रुपये से काफी कम है। बाजार के जानकारों ने कहा

कि सितंबर में एफपीआई की घरेलू बाजार में रुचि बने रहने की संभावना है। हालांकि पूंजी प्रवाह को घरेलू राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक संकेतक, वैश्विक ब्याज दर की स्थिति, बाजार मूल्यांकन, क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और बॉन्ड बाजार के आकर्षण से दिशा मिलने की उम्मीद है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने अगस्त में भारतीय इक्विटी में 7,320 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। पिछले दो महीनों की तुलना में एफपीआई की रुचि कम होने का मुख्य कारण भारतीय बाजार में उच्च मूल्यांकन है। वित्त वर्ष 2024-25 की अनुमानित कमाई से 20 गुना अधिक पर निफ्टी कारोबार कर रहा है। इसके साथ, भारत अब दुनिया का सबसे महंगा बाजार है। बाजार के जानकारों ने कहा कि एफपीआई के पास बहुत सस्ते बाजारों में निवेश करने के अवसर हैं और इसीलिए, उनकी प्राथमिकता भारत के अलावा अन्य बाजार हैं। इसके अलावा, 24 अगस्त को येन कैरी ट्रेड के समाप्त होने से एफपीआई व्यवहार पर काफी असर पड़ा, जिससे घरेलू इक्विटी में भारी बिकवाली हुई। दिलचस्प बात यह है कि एफपीआई शेयर बाजार बाजार में बिकवाली कर रहे हैं, जहां मूल्यांकन अधिक माना जाता है। वे अपने निवेश को प्राथमिक बाजार में लगा रहे हैं, जहां अपेक्षाकृत मूल्यांकन कम है। इस बीच एफपीआई ने अगस्त में बॉन्ड बाजार में 17,960 करोड़ रुपये का निवेश किया। बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में शामिल किये जाने, आकर्षक ब्याज दर, स्थिर आर्थिक वृद्धि और अनुकूल दीर्घकालिक दृष्टिकोण एफपीआई को बॉन्ड में निवेश करने के लिए प्रेरित करने वाले प्रमुख कारक रहे हैं।

कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के भाव 39 रुपए तक बढ़े

एजेंसी

नई दिल्ली। तेल मार्केटिंग कंपनियों ने 1 सितंबर से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें बढ़ा दी हैं। वहीं घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। 1 सितंबर को सुबह 6 बजे से यह नई दर लागू हो चुकी है। र?विवार से दिल्ली में कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 39 रुपये तक महंगा हो चुका है। दिल्ली में 19 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर 1652.50 रुपये से बढ़कर 1691.50 रुपये, जबकि कोलकाता में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर का दाम 1764.50 रुपये से बढ़ाकर अब 1802.50 रुपये कर दिया गया है। यानी राजधानी दिल्ली में प्रति सिलेंडर 39 रुपये और कोलकाता में 38 रुपये की वृद्धि हुई है। मुंबई में 19 किलो वाले इस सिलेंडर की कीमत 1644 रुपये हो गई है, जो अगस्त में 7 रुपये बढ़कर 1605 रुपये की गई थी। चेन्नई में भी 1817 रुपये में मिलने वाला कॉमर्शियल सिलेंडर अब 1855 रुपये का हो चुका है। इस साल तेल मार्केटिंग कंपनियों ने कई बार कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें बढ़ाई हैं, वहीं लंबे समय से घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। केंद्र सरकार की ओर से महिला दिवस पर बड़ी राहत दी गई थी। इस साल मार्च के महीने में सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 100 रुपये तक घटाए थे।

मंडियों में तेल-तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के खाने के तेलों के आयात शुल्क बढ़ने की संभावना के कारण किसानों के मंडियों में आवक घटाने के बीच बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के दाम में सुधार देखने को मिला तथा सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के भाव मजबूत बंद हुए। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 150 रुपये बढ़कर 6,275-6,315 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 400 रुपये बढ़कर 12,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 55-55 रुपये की

मजबूती के साथ क्रमशः 1,985-2,085 रुपये और 1,985-2,100 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 170-170 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 4,670-4,700 रुपये प्रति क्विंटल और 4,480-4,605 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 125 रुपये, 125 रुपये और 50 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 10,575 रुपये, 10,175 रुपये तथा 8,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में सुधार रहा। मूंगफली तिलहन 75 रुपये की मजबूती के साथ 6,550-6,825 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 100 रुपये के सुधार के साथ 15,525 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 25 रुपये के सुधार के साथ 2,335-2,635 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 325 रुपये की मजबूती के साथ 9,425 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 200 रुपये के सुधार के साथ 10,525 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 300 रुपये के सुधार के साथ 9,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।बिनौला तेल 350 रुपये के सुधार के साथ 10,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ब्राजील में एलन मस्क के एक्स प्लेटफॉर्म ने काम करना किया बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्राजील में एलन मस्क के एक्स प्लेटफॉर्म ने काम करना बंद कर दिया है, अब ब्राजील यूजर्स एक्स सेवा का उपयोग नहीं कर पाएंगे। मोबाइल और वेब वर्जन दोनों पर सेवाएं बदं कर दी गई हैं। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के आदेश एक्स प्लेटफॉर्म की सर्विस ब्राजील में एक्सपायर हो गईं। ब्राजील सुप्रीम कोर्ट और मस्क के बीच में लंबे समय से विवाद चल रहा था। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस एलेक्जेंडर डि मोरियस ने पूरे देश में एक्स को बैन करने का आदेश जारी किया। ब्राजील में एक्स पर आरोप लग चुके हैं कि वह ब्राजील में तख्तापलट की खबरें व लोकतंत्र को कमजोर करने वाले कंटेंट को बढ़ावा दे रहे हैं। दरअसल ब्राजील के जस्टिस डि मोरियस ने बुधवार को मस्क इस एक्स कंपनी को ऑर्डर दिया कि वह 24 घंटे के अंदर एक कानूनी अधिकारी अपॉइंट करें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसके बाद ब्राजील के सुप्रीम फेडरल कोर्ट ने शुक्रवार को पूरे देश में एक्स को बैन करने का आदेश जारी किया और 18 मिलियन रियाल (लगभग 40 करोड़ रुपये) का जुमार्ना भी लगाया। ब्राजील कोर्ट ने नेशनल टेलीकम्युनिकेशन एजेंसी को 24 घंटे के अंदर ब्लॉक करने का आदेश दिया। साथ ही एप्पल और गूगल को ऑनलाइन प्ले स्टोर्स से इस एक्स ऐप को हटाने का 5 दिन के अंदर आदेश दिया। मस्क ने इस पूरे मामले को लेकर पोस्ट किया और एक्स पर पोस्ट करके कहा कि ब्राजील के वर्तमान प्रशासन के तहत निवेश करना पागलपन है। जब नई लीडरशिप आएगी, तब इसमें बदलाव आएगा। कोर्ट के आदेश में आगे कहा कि बैन के बाद अगर कोई कंपनी या संस्था एक्स को चलाने के लिए वीपीएन आदि का इस्तेमाल करके चलाती है।

झारखंड में आशा व शिक्षा लेकर आ रहा है चैतन्या इंडिया फिन क्रेडिट

रांची। चैतन्या इंडिया फिन क्रेडिट ने अपने कॉर्पोरेट सोशल रीस्पान्सबिलिटी (उरफ) पहल के अंतर्गत लिए गए शैक्षणिक कार्यक्रम झारखण्ड के ग्रामीण छेत्रो के शैक्षणिक विकास की अपार सफलता से हर्षित है इस प्रभावशाली कार्यक्रम के माध्यम से, संस्थान ने अनगिनत बच्चों के लिए ज्ञान का मार्ग प्रशस्त किया है, उन्हें एक उज्जवल भविष्य बनाने के लिए आवश्यक उपकरणों से सशक्त बनाया है।चैतन्या की पहल की शुरूआत अक्टूबर 2022 में झारखंड के सिरोई खुर्द गांव में एक लर्निंग सेंटर की स्थापना से हुई। यह देखते हुए कि स्थानीय सरकारी स्कूल केवल 8वीं कक्षा तक की शिक्षा प्रदान करते हैं, चैतन्य ने शैक्षिक अवसरों का विस्तार करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को पहचाना। नर्सरी से 8वीं कक्षा तक के छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली पूरक शिक्षा प्रदान करके इस अंतर को दूर करने के लिए सीएलई ट्रस्ट के सहयोग से लर्निंग सेंटर बनाया गया था।सेंटर में हिंदी, गणित और संस्कृत जैसे विषयों के लिए एक समर्पित ऑन-साइट शिक्षक के साथ-साथ अंग्रेजी और विज्ञान में ऑनलाइन ट्यूशन के साथ, सेंटर शैक्षिक अंतर को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

विमान ईंधन 4.6 प्रतिशत हुआ सस्ता

नई दिल्ली। कार्मशियल एलपीजी सिलेंडर के साथ ही विमान ईंधन के भाव में भी रविवार को 4.6 प्रतिशत की कटौती की गई। वैश्विक बाजारों में तेल के दाम के रुख के अनुरूप यह फैसला लिया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की खुदरा ईंधन कंपनियों के अनुसार दिल्ली में विमान ईंधन यानी एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत 4,495.5 रुपये प्रति किलोलीटर (4.58 प्रतिशत) की कटौती की गई है। विमानन कंपनियों की कुल परिचालन लागत में ईंधन की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है। ऐसे में दाम में कटौती से इन कंपनियों पर लागत बोझ कम होगा।

गूगल ओआरजी ने एआई समाधान करने चार भारतीय संगठनों को चुना

एजेंसी

नई दिल्ली। एपीएसी सस्टेनेबिलिटी सीड फंड 2.0 के तहत अनुदान के लिए एशिया प्रशांत क्षेत्र में चार भारत-आधारित संगठनों को 14 अन्य प्राप्तकताओं के बीच चुना गया है। इसे प्रौद्योगिकी दिग्गज की परोपकारी शाखा गूगल.ओआरजी से 50 लाख डॉलर के अनुदान से समर्थित किया गया है। एशियन वेंचर फिलैंथ्रोपी नेटवर्क (एवीपीएन) द्वारा प्रबंधित इस कोष का उद्देश्य महत्वपूर्ण पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रौद्योगिकी और एआई-संचालित समाधानों को बढ़ावा देना है। गूगल ओआरजी ने एक बयान में कहा कि भारतीय प्राप्तकताओं में आईएनआरईएम फाउंडेशन, सीईपीटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन (सीआरडीएफ), इंस्टीट्यूट फॉर फाइनेंशियल मैनेजमेंट एंड रिसर्च (वेल लैब्स) और गुजरात महिला हाउसिंग सेवा ट्रस्ट (एमएचटी) शामिल हैं। आईएनआरईएम फाउंडेशन जल प्रदूषण डेटा तक सामुदायिक पहुंच के लिए एआई-सक्षम ओपन डिजिटल समाधान विकसित करेगा। सीआरडीएफ झीलों और उनके कार्बन सिंक फंक्शन की सुरक्षा के लिए मशीन लर्निंग और सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग करने की योजना बना रहा है। बयान में कहा गया है कि वेल लैब्स गांव-स्तर की जल सुरक्षा अंतर्दृष्टि के लिए उन्नत मॉडल विकसित करेगा, जबकि एमएचटी शहरी ताप द्वीपों की पहचान करने और समुदाय-केंद्रित समाधान सुझाने के लिए एआई-संचालित मॉडल बनाएगा।

जात पात से उठकर रहने से देश का विकास होगा : दिलीप जायसवाल

एजेंसी

गोपालगंज। बिहार सरकार में मंत्री और बिहार भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल गोपालगंज पहुंचे जहां कार्यकर्ताओं ने उनका जमकर स्वागत किया। जिले के सीमा डुमरिया पुल से लेकर थावे मंदिर तक आने के क्रम में जगह जगह भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल और माला लेकर स्वागत ककिया। बिहार की मंत्री जनक राम, विधायक रामप्रवेश राय, भाजपा नेता मिथिलेश तिवारी समेत कई कार्यकर्ताओं ने गाजे बाजे के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए दिलीप जायसवाल ने कहा कि भाजपा देश की सबसे बड़ी पार्टी है और बिहार में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव है। हमारे सभी कार्यकर्ता चुनाव की तैयारी में अभी से जुट गए हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व

में लड़ेंगे और एक बार फिर से सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि देश भर में भाजपा सदस्यता अभियान की शुरूआत करने जा रही है। 2 सितंबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा प्रधानमंत्री मोदी को सदस्य बना कर सदस्यता अभियान की शुरूआत करेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने को गोपालगंज पहुंचने के साथ ही सबसे पहले थावे दुर्गा मां का दर्शन कर सभी बिहारी वासियों की मंगल की कामना की। उसके बाद जिले में कई जगह आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। प्रदेश अध्यक्ष ने सभा व कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार दुर्गा मां के दर्शन करने का मौका मिला है।उन्होंने कहा की आजकल राजनीति और नेतागिरी अलग तरीके से चल रही है।समाज को जात पात में बांटा जा रहा है। जात पात से ऊपर उठकर रहने से ही समाज और देश का विकास होगा।सनातन धर्म वाले स्वभाव से ही शांत स्वभाव के होते है।हमलोग शांतिप्रिय है। मंत्री ने हमला बोलते हुए कहा की लालू यादव अपने परिवार को आगे बढ़ाने के लिए जेल गए। नवम फेल अनपढ़ आदमी राजनीत कर रहा है। जबकि पढ़ा लिखा आदमी सड़क पर घूम रहा है। अनपढ़ आदमी नेता नही बनेगा। समाज को जात पात में बांटकर जहर घोल दिया गया है।थावे के एक सभा में व्यवसायियों ने प्रदेश अध्यक्ष को 80 किलो पड़किया से तौला।

फीचर्स व स्टाइल रॉयल एनफील्ड ने लॉन्च की क्लासिक 350

रांची। रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350, अपनी सदाबहार खूबसूरती, पुराने जमाने के आकर्षण, और मजबूत स्वभाव के साथ, 2008 में लॉन्च होने के बाद से शानदार ऑटोमोटिव डिजाइन, खूबसूरती और इंजीनियरिंग का प्रतीक रही है। इस मोटरसाइकल में हमेशा रॉयल एनफील्ड की असली पहचान बनी रही है। आज इसी मोटरसाइकिल का नया रूप, 2024 क्लासिक 350, लॉन्च किया गया है। 2024 क्लासिक 350 में रॉयल एनफील्ड के सभी खास गुण बरकरार हैं, और यह अपनी खूबसूरती के साथ-साथ लोगों के लिए आसानी से उपलब्ध भी है। नए फीचर्स और शानदार रंगों के साथ, नई 2024 क्लासिक 350 की शुरूआती कीमत 1,99,500* रुपये है। इसकी बुकिंग्स और टेस्ट राइड पूरे भारत में 1 सितंबर 2024 से शुरू हो रही है।क्लासिक 350 को पाँच नए वैरिएंट्स और सात शानदार रंगों में लॉन्च किया गया है - हेरिटेज (मैड्रास रेड और जोधपुर ब्लू), हेरिटेज प्रीमियम (मेडलियन ब्रॉन्ज), सिग्नल्स (कमांडो सैंड), डार्क (गन ग्रे और स्टील्थ ब्लैक) और क्रोम (एमरैल्ड)। 2024 रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 में एलईडी हेडलैंप्स, एलईडी पायलट लैंप, गियर पोजिशन इंडिकेटर, और टाइप सी यूएसबी चार्जिंग प्वाइंट जैसे बेहतरीन फीचर्स दिए गए हैं। इसमें रॉयल एनफील्ड की खास पहचान और स्टाइल को बनाए रखा गया है। इसके अलावा, टॉप मॉडल्स - एमरैल्ड और डार्क सीरीज में अडजस्टेबल लीवर, एलईडी ट्रैफिकेटर्स और ट्रिपर पॉड जैसी सुविधाएं भी दी गई हैं। रॉयल एनफील्ड के सीईओ, बी गोविंदराजन ने 2024 क्लासिक 350 के बारे में कहा, ₹क्लासिक 350, रॉयल एनफील्ड की असली मोटरसाइकिल पहचान का सही रूप है। यह मोटरसाइकिल अपनी खूबसूरती, शानदार कारीगरी, और सदाबहार स्टाइल के लिए जानी जाती है। सालों बाद भी इसका आकर्षण और खासियत जस का तस बना हुआ है।

मुख्यमंत्री पेय जलापूर्ति योजना समेत कई योजनाओं का आज करेंगे शिलान्यास

एजेंसी

रोहतास। रोहतास जिले के डेहरी आन सोन में सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार डेहरी ,सासाराम, औरंगाबाद में सोन नदी से होने वाले जलापूर्ति योजना, आईटीआई में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, पुलिस संयुक्त भवन समेत समेत कई विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। डीएम नवीन कुमार ने यह जानकारी दी रविवार को दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री एक दिवसीय दौर के क्रम में सोमवार को स्थानीय एनिकट में डेहरी ,औरंगाबाद और सासाराम के 13अरब 47करोड़ की लागत से बनने वाले पेयजल आपूर्ति योजना का शिलान्यास करेंगे। पुराने सोन नहर प्रणाली के एनिकट बराज के पास इस योजना का शिलान्यास होगा। यहां 1872 में बने एनिकट बराज को

मरम्मत करा कर पानी का भंडारण किया जाएगा ।बस्तीपुर में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगेगा। जहां से सोन के सतही जल का उपयोग कर पाइप लाइन के माध्यम से तीनो शहरो में पेय जल की आपूर्ति की जाएगी। उन्होंने बताया कि डेहरी और सासाराम के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में निर्मित सेंटर आफ एक्सीलेंस का उद्घाटन करेंगे। टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से बने सेंटर आफ एक्सीलेंस का निर्माण लगभग तीन करोड़ की लागत से किया गया है । आईटीआई के छात्रों को आधुनिक तकनीकी के माध्यम से अध्यापन करेंगे। अब यहां के छात्रा को इंडस्ट्रीज 4.0 टेक्नोलॉजी का प्रशिक्षण मिलेगा । पंचायत के बस्तीपुर में विद्यालय आंगनवाड़ी भवन व पुस्तकालय का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे जाएगा। पुलिस भवन निर्माण निगम द्वारा लगभग 17 करोड़ की लागत से पहलेजा पंचायत के चकिया में डेहरी मुफस्सिल थाना भवन, भालूआड़ी में शाहाबाद पुलिस प्रक्षेत्र के लिए निर्माण होने वाले संयुक्त पुलिस भवन व एफएसएल भवन का भी शिलान्यास करेंगे।

सोन नदी का जलस्तर घटा

रोहतास। ऊपरी जल ग्रहण क्षेत्र मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ ,उत्तरप्रदेश व झारखंड में बारिश के कमी के कारण आज शाम रोहतास जिले के इंद्रपुरी बराज सोन नदी का जलस्तर घटा है। इंद्रपुरी बाराज से आज 64हजार 912 क्यूसेक पानी सोन नदी में छोड़ा गया। इंद्रपुरी बराज पर आज 77हजार 291क्यूसेक पानी का प्रवाह दर्ज किया गया,जिसमे से बराज का पौंड लेवल मेंटेन करने के बाद एक लाख 64 हजार 912 क्यूसेक पानी सोन में बहाया जा रहा है। आज शाम बाणसागर का जलस्तर (एफ आर एल) 1120.61 फीट के सापेक्ष 1119.23पहुंच गया था।बाणसागर से आज 38330 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।वही रिहंद जलाशय से 17892 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। रिहंद का पूर्ण जलस्तर 870 के सापेक्ष 868.20 है।

सांसद पप्पू यादव ने दिव्यांग लड़की को लिया गोद

एजेंसी

पूर्णिया। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने भागलपुर की फिजिकली चैलेंज्ड युवती सबल परवीन को गोद लेने की घोषणा की है। सबल परवीन ढउर परीक्षा में चयन से मात्र एक अंक से चूक गई थीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उनके जीवन में एक नया मोड़ तब आया जब दुबई में रह रहे नौशाद आलम ने सोशल मीडिया पर उनके बारे में जानकारी पाई और भागलपुर आकर उनसे निकाह किया। पप्पू यादव ने सबल परवीन की शिक्षा में मदद करने का निर्णय लिया है। वे अगले दो वर्षों तक उन्हें हर महीने 5,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सहयोग सबल के सपनों को साकार करने में मददगार साबित होगा। सांसद ने सबल परवीन को समाज की महिलाओं के लिए एक प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने सबल के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वह अपने दृढ़ संकल्प और साहस से अन्य महिलाओं के लिए एक मिसाल कायम कर रही हैं।

दिख रही आगे निकलने की चाहत?

परंपरागत माहौल में पली-बढ़ी स्त्री अपने दर्शन में स्पष्ट होती है कि उसका जीवन सिर्फ पर-सेवा और सबकी आंखों को भली लगने के लिए हुआ है। छोटी बच्चियां घर-घर, रसोई-रसोई, पार्लर-पार्लर खेलकर इसी सूत्र को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेने की ट्रेनिंग लेते देखी जा सकती हैं। ठीक उसी समय जब उसकी उम्र के लड़के गन या पिस्तौल से मर्दानगी के पाठ पढ़ रहे होते हैं या कारों की रेस या बेमतलब की कूद-फांद, लड़ाई-झगड़े के खेल, खेल रहे होते हैं। इसे देखकर क्या कोई कह सकता है कि यही है गहरे संतुलित समाज की नींव? इस पर हमारा जवाब होगा, बिल्कुल नहीं। आपने कॉलेज की बच्चियों को भी कभी कभी अपने बुजुर्गों से डांट खाते देखा होगा। कारण है कि ज्यादातर निम्न या मध्य वर्गीय परिवारों से आई हुई ये छात्राएं अपने लिए बेहद असुविधाजनक पहनावे को चुनने में पीछे नहीं हटती। गर्मी व उमस में सिंथेटिक कपड़े, बेहद ऊंची हील के सैंडल बार-बार फिसलते दुपट्टे में जड़ी तरह-तरह की लटकनें आदी। रास्तों में बाजारों में काम की जगहों में चमकीले तंग कपड़ों में फंसी, पल्ला और उसकी जगह-जगह उलझती लटकनें संभालती रंगी-पुती स्त्रियां, अपने आप संभलकर चल पाने में असमर्थ पति की बांह का सहारा लिए कभी-कभी लुढ़कने को होती स्त्रियां। अजीब-अजीब प्लेटफार्म वाले सैंडलों की हीक को मेट्रो और उसके प्लेटफार्म की दरार से निकाल कर हड़बड़ाती स्त्रियां। भले ही आज यह सभी की मजबूरी बन गया हो, लेकिन इतना तो साफ है कि समय बदल गया है और कल जो हाथ चूड़ियां पहनते थे वे अब लेपटॉप संथाले हुए हैं। मतलब साफ है कि अब दिख रही है आगे निकलने की चाहत!

एसेसरीज हो हैवी

- हेवी और कलरफुल एसेसरीज सिंपल ड्रेसेज के लिए बेहतरीन हैं।
- अपनी लुक को ट्रेंडी बनाने के लिए न्यूट्रल टॉप को ब्राइट कलर्ड बेल्ट, जैसे रेड, ब्ल्यू और येलो, के साथ कंबाइन करें।
- यदि आप चाहें दो हेवी एसेसरीज को कंबाइन कर सकती हैं, जैसे बैग्ज और शूज, बेल्ट और शूज व ज्यूलरी और बैग।
- लुक को खास बनाने और एसेसरीज पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ब्राइट रेड, ब्ल्यू और ग्रीन का इस्तेमाल करें।
- आजकल मटेलिक और बीडेड लुक फैशन मे है।
- व्हाइट व ब्लैक ड्रेस के साथ ब्राइट गोल्डन मटेलिक स्कार्फ पहनें।
- ट्रेंडी लुक के लिए ब्राइट फ्लावर हेयर एक्सेसरी पहनें।
- शेल नेकपीसेज किसी भी ड्रेस को कलर देने के लिए बेहतरीन है।
- कैज्युअल स्कर्ट व जींस के साथ कलरफुल प्लास्टिक रिंग्ज और बैंगल्स पहनें।
- प्रतिदिन के इस्तेमाल के लिए हैवी ओवरसाइज्ड बैग्ज बेहतरीन हैं।

आउटडोर फर्नीचर की मेंटेनेंस अहम चीज है। तभी यह अलग-अलग मौसमों की मार सहकर लंबे समय तक आपको आराम दे सकता है।

आउटडोर फर्नीचर की देखभाल

आउटडोर के लिए ज्यादातर फर्नीचर मेटल या प्लास्टिक के बने होते हैं, लेकिन आप वुड, केन, विकर या रेसिन के बने फर्नीचर का इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि उन्हें मेटल और प्लास्टिक के फर्नीचर से ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है।

फर्नीचर की धुलाई समय पर

विकर या रेसिन की बनी मेज-कुर्सियों पर मौसम के असर से फिल्म जैसी कोई चीज जम जाती है। पेंट और फिनिश के साथ इसके रिएक्शन से फर्नीचर जल्दी ही पुराना नजर आने लगता है। फर्नीचर को इस स्थिति से बचाने के लिए यह फिल्म हटाना जरूरी है। इसके लिए आप फर्नीचर को थोड़े से साबुन और पानी से धोकर सूखे कपड़े या पेपर नैपकिन से पोंछ दें। इसके बाद इसे सादे साफ पानी से धोएं और अच्छी तरह सुखा दें। ध्यान रखें कि फर्नीचर पूरी तरह सूख जाए। इस तरह के फर्नीचर की सफाई हफ्ते में कम से कम एक बार जरूर करना चाहिए। केवल लकड़ी से बने फर्नीचर को पानी से सीधे तौर पर नहीं धोना चाहिए। निश्चित रूप से लकड़ी कुछ नमी सोख लेगी और जल्दी बेकार हो जाएगी। आउटडोर फर्नीचर के लिए आमतौर पर टीक की लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है। इसे सूखे कपड़े से ही साफ करते रहें। अगर बारिश या गार्डन में पानी देते हुए गीली हो जाए, तो इसे सुखाना नहीं भूलें। लकड़ी से बने फर्नीचर पानी य नमी वाली जगहों पर न रखें और मिट्टी के साथ लंबे समय तक कांटेक्ट में न रहने दें।

सावधानी से पिएं चाय कोल्ड ड्रिंक

आप बाहर बैठकर मौसम का मजा लेंगे और कुछ चाय-पानी भी नहीं हो, ऐसे कैसे हो सकता है? लेकिन फर्नीचर पर कुछ रहम भी करना होगा। अगर इस पर चाय, कोल्ड ड्रिंक आदि का कोई निशान लग जाए, तो उसे तुरंत साफ कर दें। ऐसा न हो कि आपका आलस आपके फर्नीचर पर परमानेंट दाग के रूप में असर छोड़ जाए। आउटडोर फर्नीचर के बचाव का सबसे अच्छा तरीका यह होता है कि उसे हर रात उठाकर गैरेज में रख दिया जाए। अगर ऐसा करना मुश्किल है, तो इसे प्लास्टिक शीट से तो ढंक ही देना चाहिए।

वेक्स के इस्तेमाल की खूबियां

आउटडोर फर्नीचर की सफाई के लिए एक और बेहतर तरीका है, आटोमोटिव वेक्स। इस वेक्स में अल्ट्रावायलेट प्रोटेक्शन जैसी खूबियां होती हैं, जो फर्नीचर को लंबे समय तक सुरक्षित रखती है। इस सेंगमेंट में दो तरह की चीजें मिलती हैं। आटोमोटिव वैक्स और वेक्स कम क्लीनर। कुछ वेक्स कम क्लीनर में केमिल्स होते हैं,जो फर्नीचर के मेटीरियल से रिएक्शन कर सकते हैं। क्लीनर खरीदने से पहले इनके बारे में पूछताछ कर लेना चाहिए। प्यूमाइस और राटनस्टोन, दो कॉमन एलीमेंट्स हैं, जो फर्नीचर के लिए नुकसानदेय नहीं होते, बल्कि इन पर रगड़ाई करने से ये और चमक उठते हैं। सुरक्षा के लिए वेक्स को पूरे फर्नीचर पर लगाने से पहले एक छोटे से हिस्से पर ट्राई करें। इससे आपको पता चलेगा कि यह आपके फर्नीचर के लिए फिट या नहीं?

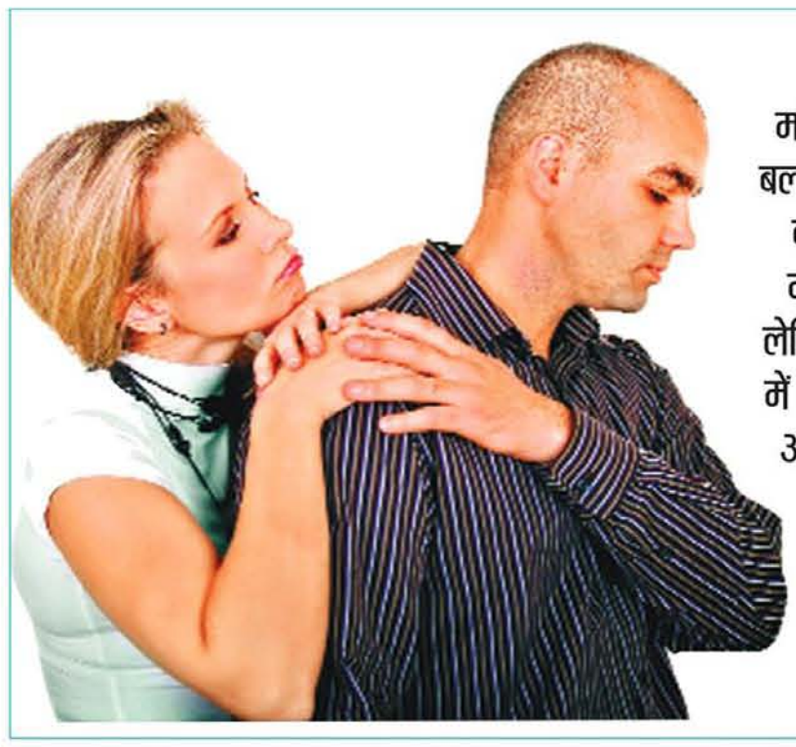

पुरुष महिलाओं से बलशाली और बहादुर चाहे नजर आएं, लेकिन रिश्तों में दरार आने अथवा टूटने पर उन्हें अधिक तकलीफ होती है।

रिश्ता टूटने पर पुरुष होते हैं ज्यादा आहत

अमेरिका में वाके फोरेस्ट यूनिवर्सिटी के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि किसी महिला से संबंधों में खटास आने पर युवा पुरुष के दिलोदिमाग पर जबर्दस्त असर पड़ता है। वजह यह है कि महिलाएं जहां अपने तनाव को मित्रों में साझा कर लेती है वहीं पुरुष भीतर ही भीतर घुटने लगता है और नकारात्मक सोच उसके जेहन में घर कर जाती है। नतीजतन वह शराब जैसी लत का दामन पकड़ लेता है। अध्ययन के नेता प्रोफेसर राबिन शिमन ने स्वीकार किया कि वह नतीजों को देखकर हैरत में पड़ गई क्योंकि आम सोच यह थी कि रिश्तों में भावात्मक उथल-पुथल की शिकार महिलाएं जल्द हो जाती है। डेली मेल ने उनके हवाले से कहा कि आश्चर्य हुआ यह जानकर कि रिश्तों में उतार चढ़ाव का युवकों पर अधिक प्रतिक्रिया होती है। लेकिन अगर रोमांस सही चल रहा है तो पुरुष अधिक लाभांवित रहता है। सर्वेक्षण 1000 अवैवाहिक युवक युवतियों पर किया गया जिनकी उम्र 18 से 23 साल के बीच थी। शिमन ने कहा कि सर्वेक्षण से यह बात सामने आई कि युवक बहुत कम लोगों में विश्वास करते हैं जबकि महिलाएं अपने परिजनों और मित्रों के साथ अधिक करीबी संबंध रखती हैं। इसकी एक वजह युवकों में पहचान और आत्मसम्मान की अधिक भावना भी है। उनके अनुसार एक तथ्य यह है कि पुरुष और महिला अलग अलग तरीके से भावनाओं को अभिव्यक्त करते हैं। महिलाओं में भावात्मक पीड़ा अवसाद में झलकती है जबकि पुरुषों में यह ठोस समस्याएं लेकर सामने आती है। मानसिक स्वास्थ्य पर लंबे अध्ययन और प्रौढ़ होने की प्रक्रिया पर किया गया यह अध्ययन हेल्थ एंड सोशल बिहेवियर नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ।

फैशन से समझौता नहीं

भले ही बारिश आ चुकी है, लेकिन गर्मी अभी खत्म नहीं हुई है। कभी बादल तो कभी सूरज की तेज किरणें काफी परेशान करती हैं, लेकिन फैशन के दीवानों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। धूप चाहे जितनी हो यूथ खासकर गर्ल्स छाता लेकर नहीं निकलती। उन्होंने छाते के अलावा और हथियार चुन लिए हैं। उनकी नई ऑप्शंस में स्कार्फ से पूरा मुंह कवर करने से लेकर हैट पहनना और डाइट का ध्यान रखना तक सब शामिल है।

डाइट पर फोकस

कुछ गर्ल्स का मानना है कि गर्मी से निबटने के लिए अगर हर लेवल पर अलर्ट रहा जाए, तो बहुत सारी चीजों का बोझ उठाने की जरूरत नहीं है। इसमें वे सबसे ज्यादा जरूरी डाइट को मानती हैं। वैसे, फिगर कॉन्शस गर्ल्स से कुछ खाने की बात सुनना एक बार तो हैरान करता है, लेकिन यह अच्छी बात ही है। बीटेक पाइनल ईयर की स्टूडेंट सोनाली का फंडा भी यही है कि हीट को बीट करने के लिए डाइट पर फोकस करो। वह बताती हैं, मैं दोपहर की धूप में बाहर तक जाती हूं, तो जूस जरूर पीती हूं और सन क्रिम लगाकर ही बाहर निकलती हूं। एक्सट्रा सेफ्टी के लिए कभी-कभी वह अंब्रेला भी कैरी करती हूं।

च्वाइस है हैट

स्टाइल कॉन्शस गर्ल्स हैट च्वाइस करती हैं। आखिर हैट हॉट वेदर में प्रिकॉशन देने के साथ कूल स्टाइल भी देता है। मार्केट में तमाम तरह के हैट हैं जो धूप से बचाते हैं और साथ ही साथ स्टाइलिस लुक भी देते हैं। वैसे भी आजकल गोल हैट का क्रेज गर्ल्स में अधिक है।

मौसम कोई भी हो यूथ को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्हें तो बस स्टाइल से मतलब है। इसलिए तो आजकल कॉलेज गोविंग गर्ल्स फैशन के लिए पुराने फंडा को अपनाने से बच रही हैं। वे उसी चीज को अपना रही हैं, जो उनके स्टाइल से मैच करता हो। आइए, जानते हैं इनमें क्या खास है।

सिक्यूरिटी कवरिंग

कुछ लड़कियां अंब्रेला भले ही कैरी नहीं करती बल्कि लेकिन गर्मी से बचने के लिए कवर्ड ड्रेसेज पर ध्यान देती हैं। बैंक में जॉब कर रही सीमा कहती हैं कि मेरी कोशिश रहती है कि मैं पूरी तरह कवर्ड ड्रेसेज पहनूं, ताकि टैनिंग न हो। इसके अलावा, मैं सनस्क्रीन काफी यूज करती हूं। यह भी स्किन पर एक सिक्युरिटी कवर बनाता है।

ओल्ड इज गोल्ड

अधिकांश गर्ल्स हॉट वेदर में पुराने तरीकों को फॉलो नहीं करतीं, लेकिन ओल्ड को गोल्ड को मानने वाली लड़कियों की संख्या कम नहीं है। एमबीए स्टूडेंट प्राची सेन कहती हैं, हर साल गर्मी ज्यादा हो जाती है, इसलिए खुद को प्रोटेक्ट करने के लिए किसी भी चीज की वैल्यू कम नहीं कह सकते। इसलिए मैं हमेशा अपने साथ अंब्रेला रखती हूं। साथ ही, मेरे बैग में लाइट स्टोल भी रहता है, ताकि गर्म हवा मेरी स्किन को टच न करे। इसके अलावा, मैं हमेशा वाटर बॉटल भी कैरी करती हूं। हीट से बचने का सबसे बेस्ट तरीका है खूब पानी पीना।

नहीं है अंब्रेला क्रेज

एक समय था जब छाता से गर्मियों के बारे में पता चलता था। लेकिन अब मेट्रो शहर की गर्ल्स छाता को बॉय कह चुकी हैं। आजकल स्कार्फ का फैशन तेज है। वैसे गर्मी से बचने के लिए सनग्लासेज का यूज तेजी से बढ़ा है। इससे न केवल गर्मी से राहत मिलती है बल्कि लुक भी ग्लैमरस हो जाता है। मार्केटिंग सेक्टर में जाब करने वाली रोहिणी कहती हैं कि उन्होंने अंब्रेला से जुड़ी तमाम रिसर्च पढ़ी है। यह महज भ्रम है कि अंब्रेला लेकर चलने से धूप का असर नहीं होता। दरअसल, इससे सिर्फ शेड मिलती है। वे कहती हैं कि मैंने एक रिसर्च में पढ़ा था कि अंब्रेला हमें सिर्फ 5 फीसदी यूवी रेज से बचाता है, इसलिए मैं इस पर डिपेंड नहीं रहती। वे गर्मी से बचने के लिए ढेर सारा पानी पीती हैं। वह कहती हैं कि अगर आप ढेर सारा पानी पीकर खुद को चिल रखेंगे, तो फिर आप पर कुछ उलटा-सीधा खाने का भी असर नहीं पड़ेगा।

प्रियंका छोड़ना चाहती थीं फिल्म
फिर बनीं काशी बाई

साल 2015 में आई 'बाजीराव मस्तानी' में रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा जैसे सुपरस्टार्स का नाम शामिल था. जिसमें रणवीर सिंह ने 'पेशवा बाजीराव', प्रियंका चोपड़ा उनकी पहली पत्नी 'काशीबाई' और दीपिका पादुकोण ने बाजीराव की दूसरी पत्नी 'मस्तानी' का किरदार निभाया था.

क्या था प्रियंका चोपड़ा का जवाब ?

प्रियंका ने इस सवाल के जवाब में कहा, "काशीबाई के रोल के लिए मुझे इतने सारे फूल भेजे गए हैं कि मेरा घर एक गार्डन जैसा लग रहा है. आपने फिल्म देखी है? मैं क्यों करती? काशी पसंद नहीं आई क्या? मेरा घर देखना गार्डन बन गया है." प्रियंका के इस जवाब ने लोगों की बोलती ही बंद कर दी. फिल्म में प्रियंका के रोल का स्क्रीन टाइम कम होने के बावजूद लोगों ने उनके कैरेक्टर को बेहद पसंद किया है. फिल्म में उनका डायलॉग "आप हमसे हमारी जान मांग लेते हम खुशी-खुशी दे देते, पर आपने तो हमसे हमारा गुरूर ही छीन लिया" बहुत फेमस है.

3 दिन में छोड़ना चाहती थीं फिल्म

प्रियंका चोपड़ा को 'काशीबाई' के किरदार में बहुत पसंद किया गया है. हालांकि, फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें कितनी मेहनत करनी पड़ी होगी, इसका अंदाजा हम में से किसी को भी नहीं होगा. फिल्म में प्रियंका के को-स्टार रणवीर सिंह ने एक इंटरव्यू के दौरान ये बताया कि शूटिंग शुरू होने के 3 दिन बाद ही प्रियंका फिल्म को छोड़ना चाहती थीं. प्रियंका सेट पर शूट के दौरान रोने लगी थीं, क्योंकि वो संजय लीला भंसाली की डायरेक्शन के स्टाइल से बेखबर थीं.

हाल ही में सोशल मीडिया पर इस फिल्म का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक जर्नलिस्ट ने प्रियंका चोपड़ा से पूछा कि उन्होंने फिल्म में 'मस्तानी' का किरदार क्यों नहीं निभाया? या क्या संजय लीला भंसाली ने उन्हें 'मस्तानी' बनने के लिए कहा था ?

'मशहूर होने का शौक नहीं'

फिर अमिताभ बच्चन से सोशल मीडिया पर हुई भूल, मिनटों में हो गए ट्रोल

यूं तो बड़े पर्दे पर अमिताभ बच्चन की अदाकारी में कोई कमी नहीं होती है, लेकिन सोशल मीडिया पर सिनेमा के शहंशाह का हाथ जरा तंग है। वह सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा एक्टिव रहने वाले सितारों में से एक हैं। हालांकि, कभी-कभार वह पोस्ट के जरिए ऐसी गलती कर देते हैं, जो उनके फैंस का ध्यान खींच लेता है। कुछ समय पहले उन्होंने अपनी ही फिल्म का नाम गलत बताया था और अब उन्होंने एक भूल कर दी है।

अमिताभ बच्चन अक्सर अपने चाहने वालों के लिए पोस्ट करते रहते हैं। मगर कैप्शन में वह कई बार गड़बड़ी कर देते हैं। इस बार गलती उनके कैप्शन में हुई है। हुआ यूं कि अभिनेता ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। फोटो में अमिताभ बच्चन घर के बाहर निकलकर अपने फैंस का अभिवादन करते हुए नजर आ रहे हैं। मल्टीकलर जैकेट पहने बिग बी अपने घर के बाहर खड़े फैंस को हाय कर रहे हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने अपने पिता हरिवंश राय बच्चन का क्वोट लिखा, "मशहूर होने का शौक नहीं मुझे, आप मुखे (मुझे) पहचानते हैं, बस इतना ही काफी है।"अमिताभ बच्चन का पोस्ट तो अच्छा है, लेकिन उनके कैप्शन में गड़बड़ी हो गई। अभिनेता ने 'मुझे' की जगह कैप्शन में 'मुखे' लिख दिया है। ये देख फैंस उन्हें कैप्शन राइटर रखने की सलाह दे रहे हैं। एक यूजर ने कहा, "सर कैप्शन राइटर बदलो।" एक ने कहा, "हिंदी में आपका हाथ भी कमजोर है।" एक ने कहा, "सर मुखे नहीं मुझे है। करेक्ट कर लीजिए।" बाकी लोग भी बिग बी को मुखे हटाने के लिए बोल रहे हैं।

अमिताभ बच्चन की आगामी फिल्में

अमिताभ बच्चन कल्कि 2898 एडी के बाद रजनीकांत की फिल्म वेट्टैयन में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

सुहाना खान ने सुनहरी साड़ी में ढाया कहर

सुहाना खान बी-टाउन की सबसे फेमस स्टारकिड्स में से एक हैं। सुपरस्टार शाहरुख खान की बेटी अपनी सुंदरता और फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं।

उन्होंने जोया अख्तर की 'द आर्चीज' से डेब्यू किया और उनकी परफॉर्मेंस के लिए उन्हें मिले-जुले रिएक्शन मिले। रिपोर्ट्स की मानें तो सुहाना के अपने को-एक्टर अगस्त्य नंदा को डेट करने की खबरें हैं, जो श्वेता बच्चन नंदा के बेटे हैं और हाल ही में सुहाना खान की खूबसूरत अदाएं देखकर श्वेता ने उनके पोस्ट पर कमेंट भी किया है। कथित तौर पर उन्हें अपने पहले प्रोजेक्ट की शूटिंग के दौरान प्यार हो गया और उनके लगातार एक साथ देखे जाने से उनकी डेटिंग की अफवाहें उड़ गईं।

इसके अलावा, सुहाना का अगस्त्य की मां के साथ अच्छा बॉन्ड है और उनके बीच अक्सर प्यारी बातचीत होती है। सुहाना खान ने एक शानदार सुनहरी साड़ी पहने हुए एक नया पोस्ट डाला, जिसे श्वेता बच्चन नंदा से खूब तारीफ मिली है।

श्रद्धा ने 600 करोड़ कमाकर भी दीपिका को नहीं दी टक्कर!

Stree 2 इस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई है. 'फाइटर', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'शैतान' और 'औरों में कहां दम था ' जैसी फिल्मों को मात देकर इस पिक्चर ने बॉक्स ऑफिस में 457 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है. श्रद्धा कपूर के अब तक के करियर की 'स्त्री 2' सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म भी बन गई है. इस फिल्म के लिए श्रद्धा कपूर की काफी तारीफ हो रही है. उन्होंने बेहद सादगी के साथ अपना किरदार दर्शकों के सामने पेश किया है. लेकिन श्रद्धा कपूर को आज तक वो मौके नहीं मिले, जो दीपिका पादुकोण को मिल चुके हैं.

फाइटर – साल 2024 की शुरुआत में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की 'फाइटर' ने थिएटर पर दस्तक दी थी. इस फिल्म में दीपिका को हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन्स करते हुए देखा गया था. हालांकि उन्होंने इसके लिए खास ट्रेनिंग ली थी. 'फाइटर' के स्टंट के लिए हॉलीवुड स्टंटमैन ने स्टार्स को ट्रेंड किया था. दीपिका ने भी मेहनत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी.

पठान – दीपिका पादुकोण की पहली 1000 करोड़ी फिल्म 'पठान' उनके लिए कई मायनों में खास है. YRF स्पाई यूनिवर्स की इस फिल्म में दीपिका को जबरदस्त एक्शन सीन्स करते हुए देखा गया था. शाहरुख खान के साथ दीपिका की कैमिस्ट्री को हर बार पसंद किया जाता है. इस फिल्म के लिए दीपिका ने एक्शन सीन्स के लिए ट्रेनिंग ली थी. पठान के लिए दीपिका के वर्कआउट में फंक्शनल ट्रेनिंग और योग शामिल किया गया था. वह हफ्ते में 6 दिन अपने हर दिन के 1.5 घंटे वर्कआउट को देती थीं.

बाजीराव मस्तानी – दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की सुपरहिट फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' को दर्शकों ने काफी पसंद किया. इस फिल्म में यूं तो मस्तानी बनी दीपिका अपने प्यार के लिए हर मुश्किल का सामना करती हुई नजर आती हैं. लेकिन मौका आने पर वो तलवार बाजी करती हुई भी नजर आती है. दीपिका ने इस फिल्म के लिए तलवार चलाना भी सीखा था.

चेन्नई एक्सप्रेस – शाहरुख खान के साथ जब दीपिका पादुकोण को 11 साल पहले 'चेन्नई एक्सप्रेस' में देखा गया, तो उन्हें तमिल बोलते हुए देख दर्शक काफी हैरान थे. दीपिका ने इस फिल्म के लिए तमिल भाषा की स्पेशल क्लास ली थीं. हालांकि तमिल के अलावा भी दीपिका ने अलग-अलग फिल्मों के लिए कई और भाषा सीखीं हैं. 'चेन्नई एक्सप्रेस' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी.

सैफ ने रबर बैंड लगाकर पहने ढीले मोजे?

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान को उनके फैंस नवाब पटौदी के नाम से भी जानते हैं। सैफ अपनी लग्जरी लाइफ स्टाइल और गजब के एक्टिंग स्किल्स के लिए जाने जाते हैं। लेकिन पटौदी पैलेस के मालिक सैफ हाल को हाल ही में थोड़े अजीब अंदाज में स्पॉट किया गया। सैफ अली खान लोअर टीशर्ट में थे और उन्होंने व्हाइट कलर के शूज और सॉक्स पहने हुए थे। लेकिन क्योंकि मोजे ढीले थे, इसलिए सैफ अली खान ने उन्हें लोअर के ऊपर रोके रखने के लिए रबर बैंड का इस्तेमाल किया था।

सफेद मोजों के ऊपर ब्लैक कलर की यह हेयर बैंड अलग ही हाइलाइट हो रही थी। सैफ अली खान को इस अवतार में देखकर एक तरफ जहां सोशल मीडिया यूजर्स को बचपन याद आ गया, तो वहीं दूसरी तरफ कई लोग उनके मजे लेते दिखाई पड़े। एक सोशल मीडिया यूजर ने वीडियो पर कमेंट किया, "अमीरों को अमीर दिखने की जरूरत नहीं होती। ये सब हम मिडिल क्लास लोगों के लिए कॉम्पलैक्स है, हम लोग अमीर होने की बजाए अमीर दिखने पर फोकस करते हैं।" एक यूजर ने लिखा, "रबर बैंड भी कैल्विन एंड कैल्विन की होगी।" एक शख्स ने लिखा, "आपको लगता है कि उसके पास नए मोजे खरीदने के लिए पैसे नहीं होंगे? जबरदस्ती अटेंशन लेने का तरीका है बस।" जहां एक तरफ कई लोगों ने सैफ अली खान के रबर बैंड लगाकर मोजे पहनने पर अपना रिएक्शन दिया है तो वहीं तमाम लोगों ने दावा किया है कि सैफ अली खान ने मोजे पर रबर बैंड नहीं लगाया है बल्कि शायद उनके मोजे का डिजाइन ही इस तरह का है। एक फैन ने लिखा- सैफ का मोजा ऊपर से मुड़ गया है। इसी तरह के ढेरों कमेंट इस वीडियो पर आए हैं। बता दें कि सैफ अली खान की पिछली फिल्म 'आदिपुरुष' बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी थी। बावजूद इसके कि फिल्म को लेकर जरबदस्त माहौल बनाया गया था।

करोड़ों में बिक गई अल्लू अर्जुन की Pushpa 2

ओटीटी प्लेटफॉर्म ने रिलीज से पहले ही खरीद लिए राइट्स

'पुष्पाः द राइज' की धमाकेदार सक्सेस के बाद फैंस को फिल्म के दूसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार है। पहले पार्ट में जहां 'पुष्पाराज' यानी अल्लू अर्जुन के लाल चंदन की तस्करी से आगे बढ़ने की कहानी दिखाई गई, वहीं, दूसरे पार्ट में पुष्पा का राज दिखाया जाएगा। फिल्म रिलीज से ज्यादा दूर नहीं है, मगर सिनेमाघरों में लगने से पहले ही ये मूवी अपना आधा बजट निकाल चुकी है।

कितने में बिकी 'पुष्पा 2'?

'पुष्पा 2' के कुछ गाने और पोस्टर सामने आ चुके हैं, जिसमें अल्लू अर्जुन का दबंग अंदाज और रश्मिका की स्वीटनेस देखने को मिली। उनके अलावा आईपीएस भंवर सिंह शेखावत के रोल में फहद फासिल का अंदाज भी पुष्पा 2 में देखने लायक होगा। ये फिल्म इस साल 6 दिसंबर को रिलीज होगी। मगर उससे पहले इसके डिजिटल राइट्स नेटफ्लिक्स ने खरीद लिए हैं। खबर है कि ये डील करोड़ों में क्लोज हुई है।

'पुष्पा 2' ने निकाला बजट

टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अल्लू अर्जुन स्टारर 'पुष्पा 2' को नेटफ्लिक्स ने 270 करोड़ रुपये में खरीदा है। इस तरह 'पुष्पा 2' डिजिटल राइट्स के मामले में सबसे ज्यादा महंगी इंडियन फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो चुकी है। दावा किया गया है कि पुष्पा 2 फिल्म को 500 करोड़ के बजट में तैयार किया जाएगा। ऐसे में अगर डिजिटल राइट्स को देखा जाए, तो इस लिहाज से फिल्म आधा बजट निकाल चुकी है।

इमरजेंसी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार

साल 2024 में स्त्री 2, मुंज्या, वेदा, जैसी तमाम फिल्में रिलीज हुईं। यह साल बॉलीवुड और सिनेमा के दीवानों के लिए शानदार साबित हुआ है। अब 2024 के बचे हुए महीनों में कुछ और बेहतरीन फिल्मों का रिलीज होना बाकी है। रिलीज होने वाली फिल्मों में कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी, भूल भुलैया 3, सिंघम अगेन, बैडऐस रविकुमार, वेलकम 3 और बेबी जॉन का नाम शामिल है। आइए जानते हैं इन फिल्मों में से दर्शकों को किस फिल्म का सबसे ज्यादा इंतजार है। बुक माई शो ऐप के मुताबिक, कंगना की फिल्म इमरजेंसी का दर्शकों को सबसे ज्यादा इंतजार है। कंगना की फिल्म में सिंघम अगेन, भूल भुलैया 3, जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। लिस्ट के मुताबिक, कंगना रनौत की फिल्म लिस्ट में टॉप पर है। वहीं, दूसरे नंबर पर रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन है। तीसरे नंबर पर कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 है। वहीं, चौथे नंबर पर बैडऐस रविकुमार, पांचवे नंबर पर वेलकम 3 और छठे नंबर पर वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन है।

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी 06 सितंबर को रिलीज हो रही है। इस फिल्म में कंगना रनौत इंदिरा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में कंगना के अलावा श्रेयस तलपड़े, सतीश कौशिक, महिमा चौधरी, अनुपम खेर और मिलिंद सोमन जैसे एक्टर्स नजर आएंगे।

सुशांत की मौत के बाद
रिया चक्रवर्ती के जेल में कैसे बीते थे वो 6 हफ्ते?

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने जेल के अपने अनुभव के बारे में खुलकर बात की है। उन्हें NCB ने ड्रग से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया था। करिश्मा मेहता के पॉडकास्ट पर बात करते हुए रिया ने कहा कि उन्हें जेल में बिताया गया हर दिन एक साल जैसा लगता था। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय वह एक मुश्किल समय था।

रिया ने कहा, 'जेल वास्तव में एक बहुत ही अलग दुनिया है क्योंकि वहां कोई समाज नहीं है। सब एक समान हैं। हर कोई एक नंबर है, कोई इंसान नहीं है। जब आप अंडर ट्रायल जेल में होते हैं तो आप एक UT नंबर होते हैं... यह एक अजीब दुनिया है क्योंकि यह सिर्फ इंसानी की भावनाओं का सबसे बुनियादी हिस्सा है। यह सर्वाइवल है। आपको हर दिन सर्वाइव करना है। और हर दिन एक साल जैसा लगता है। एक दिन खत्म होने में बहुत समय लगता है क्योंकि आप सचमुच कुछ भी नहीं कर रहे होते हैं। वह वक्त रुका हुआ होता है।'

रिया चक्रवर्ती का जेल में हाल

उन्होंने कहा, 'वहां रहने के पहले दो हफ्ते में मुझे इस स्थिति से सामंजस्य बिठाने में बहुत मुश्किल हुई, क्योंकि कोई भी कभी यह नहीं मानता कि उसे जेल जाना है। एक बार जब आप वहां पहुंच जाते हैं, तो यह समझने में बहुत समय लगता है कि ऐसा हुआ है। मुझे वहां डिप्रेशन होने लगा। सामने एकदम अंधेरा छा गया। कुछ समझ ही नहीं आया।...वहां रहने के बाद आप एकदम नेगेटिव हो जाते हैं। नेगेटिव चीजों के बारे में सोचने लगते हैं। जबकि मैं एक खुशमिजाज और पॉजिटिव व्यक्ति रही हूं।'

OTT पर रिलीज होने जा रही किल

अगर आप सिनेमाघरों में इस फिल्म को नहीं देख पाए थे तो अब आप ओटीटी पर इस फिल्म का मजा ले सकते हैं। आइए जानते हैं कहां और कब देख सकेंगे किल। राघव जुयाल और लक्ष्य की एक्शन फिल्म 06 सिंतबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। आनेवाला शुक्रवार धमाकेदार रहने वाला है। इस दिन सिनेमाघरों में कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं, डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर राघव और लक्ष्य की किल रिलीज होगी। राघव और लक्ष्य की फिल्म 05 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में राघव विलेन की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। इस फिल्म से लक्ष्य के रूप में बॉलीवुड को नया एक्शन हीरो मिला है। इस फिल्म में बहुत हिंसा दिखाई गई है। हिंसा से भरी इस फिल्म की सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई थी। लोगों को कहना है कि बहुत वक्त बाद बॉलीवुड में एक अच्छी एक्शन फिल्म देखने को मिली है।

इस फिल्म के डायरेक्टर की बात करें तो फिल्म को निखिल नागेश भट्ट ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में राघव जुयाल और लक्ष्य के अलावा, तान्या मानिकताला, अभिषेक चौहान, आशीष विद्यार्थी, हर्ष छाया और अद्रिजा सिन्हा जैसे एक्टर्स नजर आएंगे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 21 करोड़ का बिजनेस किया था। बता दें, इस फिल्म का बजय लगभग 15 करोड़ था।

राघव जुयाल और लक्ष्य की एक्शन पैक्ड फिल्म किल की सोशल मीडिया पर बहुत चर्चा हुई थी। लोगों को ये फिल्म बेहद पसंद आई थी। फिल्म में जिस तरह का एक्शन दिखाया गया है हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है। अब यह एक्शन फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है।

योगी सरकार ने 7 वर्षों में किया अभूतपूर्व विकास

दर्जा प्राप्त मंत्री ने संगठन-सरकार की प्रशंसा में पढ़े कसीदे

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-25 स्थित अपने आवास पर मीडिया को संबोधित करते

नवनियुक्त यूपी कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्राटेक डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के चेयरमैन व प्रदेश के दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री वाई पी सिंह के निवास पर एक प्रेस वार्ता हुई द्यजिसमें वाई. पी. सिंह ने बताया कि कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्राटेक विकास करने की उत्तर प्रदेश सरकार की एक संस्था है जो यूपी सरकार के विभिन्न कार्यों को उत्तर प्रदेश में और उत्तर प्रदेश के बाहर भी विकसित करने का कार्य करती है।

यह संस्था उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण संस्था है जो गुणवत्ता वह तेजी से कार्य करने के लिए जानी जाती है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस संस्था ने अद्भुत कार्य किया और कीर्तिमान स्थापित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार उत्तर प्रदेश के लोगों के जीवन में अद्भुत परिवर्तन लेकर आए पिछले 7 वर्षों में योगी सरकार के अच्छे कानून व्यवस्था के मॉडल को न केवल प्रदेश भर में बल्कि पूरे देश में सराहा जाता है जिस उत्तर प्रदेश में माफियाओं, गुंडे, बदमाशों का बोलबाला था लोगों का जीवन असुरक्षित था। उसी उत्तर प्रदेश को इन सभी से मुक्ति दिलाने का कार्य योगी सरकार ने किया।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने लोगों के जीवन को सुलभ बनाने के लिए सड़क बिजली पानी तथा शिक्षा स्वास्थ्य चिकित्सा एवं आंतरिक सुरक्षा पर सरकार ने कीर्तिमान स्थापित किए हैं।1 ट्रिलियन डॉलर को अर्थव्यवस्था बनने के लिए योगी सरकार हर विश्वास के साथ आगे बढ़ रही है। सांस्कृतिक मूल्यों को लेकर भारतीय श्रद्धा के केंद्रो को नया आयाम देने का कार्य इस सरकार ने किया।

इस मौके पर भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित त्यागी व वरिष्ठ भाजपा नेता विनोद त्यागी मौजूद थे।

विधायक निधि से विकास कार्य शुरू, स्थानीय लोगों ने किया शिलान्यास

नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम-चिपियाना खुर्द, तिगड़ी एवं सरस्वती कुंज तिगड़ी में विधायक नोएडा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश पंकज सिंह की विधायक निधि से लगभग 32.34 लाख रू0 की लागत से 3 इंटरलॉकिंग सड़क/नाली का कार्य शुरू हो गया है। श्री सिंह के कार्यालय के निर्देशानुसार स्थानीय लोगों ने नारियल तोड़कर कार्य का शिलान्यास किया। लागों ने अपने विधायक का धन्यवाद किया। इन कालोनियों में लोगों को सड़क व नाली की दिक्कतें थी इन कार्यो से स्थानीय लोगों को आवागमन के लिए सुगमता होगी।

नोएडा के कई ऐसे कॉलोनी हैं जैसे चोटपुर, छिजारसी, युसुफपुर चक्शाहबेरी, तिगड़ी, सोरखा कॉलोनी, हल्द्वौनी कॉलोनी, जलपुरा कॉलोनी आदि, जहां नोएडा प्राधिकरण कोई विकास कार्य नहीं करता। इन कॉलोनियों में पूर्व में भी विधायक निधि से कई सड़कों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है इसके अलावा विधायक निधि से अन्य कार्यों के प्रस्ताव संबंधित विभाग को भेजे गए हैं, जिनको भी जल्द से जल्द शुरू कर दिया जायेगा।

इस दौरान अनिल सिंह, जिला मंत्री राजकुमार झा, बबलू यादव, मंडल अध्यक्ष निर्मल सिंह, मदन राय, गौतम शर्मा, रामदास कुशवाहा, रवि यादव, महेश मिश्रा, राजेश शर्मा, राहुल आदि लोग मौजूद थे।

कंटेनर ट्रक से पकड़ी 1 करोड़ की अवैध शराब

नोएडा (चेतना मंच)। मादक द्रव्यों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में कोतवाली एक्सप्रेसवे पुलिस ने चंडीगढ़ से सस्ते दामों पर खरीद कर बिहार में आगामी दीपावली और अन्य त्यौहार पर सप्लाई के लिए ले जाए जा रहे शराब के एक बड़े कंसाइनमेंट को चेकिंग के दौरान नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे सिंगल सर्विस रोड पर छपरौली कट के पास से पकड़ा है। पुलिस ने कंटेनर ट्रक से 560 पेटी अवैध शराब बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत एक करोड रुपये है। पुलिस ने शराब तस्करी करने वाले एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है।

ट्रक में भरकर ले जाए जा रही अवैध शराब को थाना एक्सप्रेसवे पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुये नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे सिंगल सर्विस रोड पर छपरौली कट के पास से पकडा गया गया है और शराब की तस्करी करने वाले सुनील कुमार को गिरफ्तार किया है। एडिशनल डीसीपी मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि पुलिस को इनपुट मिला था कि शराब का एक बड़ा कंसाइनमेंट गौतमबुद्धनगर से होकर बिहार जा रहा है, सूचना के आधार पर कोतवाली एक्सप्रेसवे पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया और छपरौली कट के पास से गुजर रहे अवैध अंग्रेजी शराब व प्लाई से लदा टाटा ट्रक बारह चक्का, जिसमें अवैध अंग्रेजी शराब कुल 570 पेटी कुल 5065 लीटर अनुमानित कीमत लगभग एक करोड बरामद की गई।

सेक्टर-105 आरडब्ल्यूए ने श्री कल्याण सुंदरम मंदिर में श्री कृष्णा छठी उत्सव धूमधाम से मनाया गया।

'आओ खेल खेलें' प्रतियोगिता आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-62 स्थित रजत विहार सी ब्लॉक में 'आओ खेल खेलें' प्रतियोगिता आयोजन किया गया।

आरडब्ल्यूए महासचिव गोपाल शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में स्लो साइक्लिंग रेस, लेमन रेस, 100 मीटर रेस, 5 किलोमीटर मैराथन दौड़ खेल, बैडमिंटन शमिल हुए। इन सभी प्रतियोगिताएं में 5-15 साल के बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, पुरुष सभी लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। करीब 60-70 लोगों ने इस 'आओ खेल खेलें' प्रतियोगिता में भाग लिया।

इस दौरान आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अमित नागपाल, महासचिव गोपाल शर्मा, सचिव ममता तिवारी कांडपाल, कोषाद्यक्ष विषवास सक्सेना समेत अन्य आरडब्ल्यूए प्राधिकारी मौजूद रहे।

आम आदमी पार्टी की मासिक बैठक सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। श्रम प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष के कार्यालय पर आज आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश अवाना की अध्यक्षता में आज मासिक बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में पार्टी के विभिन्न पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

बैठक में जिले के कई मुद्दों पर बात हुई जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने कहा कि हम अरविंद केजरीवाल की विचारधारा को पूरे उत्तर प्रदेश में आगे बढ़ाने का काम करेगा जिलाध्यक्ष ने बैठक में कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश भी दिए। ज़िलाध्यक्ष राकेश अवाना ने सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से जनता के बीच में जाकर उनकी समस्याओं को सुनने और जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बैठक के अंत में जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद किया और आशा व्यक्त की कि सभी मिलकर जिले में पार्टी के कार्यों में अपना योगदान देंगे।

इस मौक़े पर जिला महासचिव कैलाश शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलदार अंसारी, जिला उपाध्यक्ष मनोज यादव, श्रम प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नरेश प्रजापति, जिला सचिव जीतू भाटी, जिला सचिव शिवराज शर्मा, जिला सचिव विक्की भाटी, प्रशांत रावत, लखन यादव, इम्तियाज़ अहमद, मोबिन, नीरज कुमार, अभिषेक सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुस्लिम संस्था ने किया श्रीकृष्णा छठी में भंडारे का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। मुस्लिम संस्था 'अल-फ़लाह ह्यूमैनिटी काउंसिल' के सौजन्य से श्री कृष्णा छठी के उपलक्ष में कोमी एकता को बढ़ावा देते हुए, कढ़ी चावल के भंडारे का आयोजन चौड़ा मोड सेक्टर 12 नोएडा में किया गया।

इसमें लगभग 1500 लोगो को कढ़ी चावल का वितरण किया गया।

एनजीओ की अध्यक्ष डॉ ज़ीनत अंसारी ने बताया कि वे प्रत्येक वर्ष इस दिन भंडारे का आयोजन करते हैं, उनके साथ, दिलशाद अंसारी, मो ज़ैद हसन, गुलाब खान, मयंक, आर्यन, विनोद, हेमराज, सुरेन्द्र, मो जुहैर हसन, विद्या भूषण, मारीब आदि सदस्य उपस्थित रहे।

Yogi Adityanath
Chief Minister, Uttar Pradesh

Nand Gopal Gupta 'Nandi'
Minister of Industrial Development
Uttar Pradesh

Jaswant Saini
Minister of State for
Industrial Development
Uttar Pradesh

GOLDEN OPPORTUNITY
COMMERCIAL PLOTS

Scheme Code:
CPS-2/2024-25 (2 FAR) & CPS-3/2024-25 (4 FAR)
Through e-Auction/On-Line Bidding

SALIENT FEATURES
• Proximity to Noida International Airport • Easy access to Eastern & Western Dedicated Freight Corridors
• Best planned city in NCR • Expressways providing excellent Multi-city Connectivity
• Residential Sectors, Commercial Sectors, Educational Institutions in the Vicinity • World-class civic amenities

Greater Noida announces e-Auction for the allotment of Commercial Plots (2 FAR & 4 FAR), as per terms and conditions prescribed in the on-line brochures.

How to participate/other details: Interested parties will need to sign up and obtain user ID and password on the portal https://etender.sbi as well as deposit Documents, Processing Fee (Participation Fee) & EMD separately through online payments as per date mentioned in the online brochures.

The brochure containing details of plots, procedure, terms and conditions of e-Auction is available on our website www.greaternoidaauthority.in and the web portal https://etender.sbi

It will be the sole responsibility of the bidder/ participant to obtain a compatible computer terminal with Internet connection to enable him/her to participate in the e-bidding process for any reasons thereof.

Authority reserves the right to accept or reject one or all the bids or cancel/postpone the e-auction without assigning any reason.

COMMERCIAL PLOTS - 2 FAR

Sl. No.	Plot No.	Sector	Area (in sqm)	Total Reserve Price of Plots (₹)
1	CS-199	Sigma-III	1500.00	9,62,70,000/-
2	CS-79	Sigma-IV	1501.00	9,63,34,180/-
3	LS-01	Sigma-II	1902.50	12,21,02,450/-
4	C-02	ETA-1	7455.00	47,84,61,900/-
5	4/1D	Tugalpur Haldona (K.P.-III)	8148.00	58,60,93,788/-
6	SLC-2	CHI-PHI Extn.	18279.90	1,19,53,40,941/-
7	SLC-3	CHI-PHI Extn.	12572.60	82,21,34,887/-
8	SLC-4	CHI-PHI Extn.	15448.50	1,01,01,92,864/-
9	SLC-5	CHI-PHI Extn.	12767.40	83,48,73,053/-
10	SLC-1	ZETA-1	14837.00	98,81,73,874/-
11	SLC-2	ZETA-1	6814.20	45,38,39,348/-

COMMERCIAL PLOTS - 4 FAR

Sl. No.	Plot No.	Sector	Area (in sqm)	Total Reserve Price of Plots (₹)
1	C-1	Sector-10	9250	92,41,02,750/-
2	C-4	Sector-10	10600	1,05,89,71,800/-
3	C-5	Sector-10	10600	1,05,89,71,800/-
4	C-8	Sector-12	10400	1,03,89,91,200/-
5	C-9	Sector-12	10400	1,03,89,91,200/-
6	C-10	Sector-12	10400	1,03,89,91,200/-
7	C-11	Sector-12	10400	1,03,89,91,200/-
8	C-12	Sector-12	10400	1,03,89,91,200/-
9	C-4	Delta - 1	3600	35,96,50,800/-
10	C-5	Delta - 1	4800	47,95,34,400/-
11	C-8	Delta - 1	3600	35,96,50,800/-

Note: The area of plot allotted may slightly vary at the time of handing over of the possession. The premium of the plot will proportionately vary due to such variation.

Plots clear from all encumbrances | Possession within 30 Days | Allotment will be made on "as is where is basis"

Document Download Starts	Registration End Date & Time	Last Date of Registration, EMD, Processing Fee Deposit	Last Date of Final Submission of Documents	E-Auction Date & Time to be Notified Separately
29-08-2024 | 3:00 PM	19-09-2024 | 5:00 PM	23-09-2024 | 5:00 PM	26-09-2024 | 3:00 PM	

For corrigendum/addendum, Please refer to website www.greaternoidaauthority.in
Don't miss the opportunity, please visit One Map Greater Noida for plots location details.

Greater Noida Industrial Development Authority
Plot No. 01, Knowledge Park-04, Greater Noida-201308, Distt.-Gautam Budh Nagar, (U.P.)
Helpline Center No. : 0120 2336046, 2336047, 2336048, 2336049
Ph.: 0120-2336030-33 | E-mail: authority@gnida.in | Website: www.greaternoidaauthority.in
Follow us on /OfficialGNIDA

सेक्टर-11 आरडब्लूए चुनाव में अनुज गुप्ता-दिनेश कृष्णन पैनल जीता

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-11 आरडब्लूए चुनाव ने रविवार को एक नया रिकार्ड बनाने का काम किया। जिसमें अनुज गुप्ता व दिनेश कृष्णन पैनल को एक तरफा व ऐतिहासिक जीत हासिल हुई। पूर्व में अध्यक्षा रहीं अंजना भागी ने चुनाव रोकने के लिए कोर्ट तक का दरवाजा खटखटाया जब कोर्ट में बात नहीं बनी तो सेक्टरवासियों से चुनाव बहिष्कार की अपील की। लेकिन उनकी अपील का कहीं भी कोई असर नहीं दिखाई दिया और 401 में से 263 मतदाता मतदान केंद्र पर पहुंचे और उन्होंने मतदान किया।

गौरतलब है कि तकरीबन 1 साल पहले हुए चुनाव में लगभग 370 मतदाताओं में से 270 सेक्टरवासियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। रविवार को हुए मतदान से साफ पता चलता है कि सेक्टरवासियों में अनुज गुप्ता व उनके पैनल के प्रति अच्छा खासा लगाव है और पूर्व अध्यक्ष अंजना भागी के चुनाव बहिष्कार का कोई भी असर दिखाई नहीं दिया। लगभग 66 प्रतिशत निवासियों ने अपने मत अधिकार का प्रयोग किया और वोट दिया। वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर प्रदीप अग्रवाल और उपाध्यक्ष पद पर विपुल कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष पद पर एस.सी.अग्रवाल, संयुक्त कोषाध्यक्ष पद पर संजय वर्मा, ज्वाइंट सेक्रेटरी पद पर विनय मोहन गुप्ता और सतीश कुमार, एक्जीक्यूटिव सदस्य पद पर रामचंद्र, शैलेजा सक्सेना, संदीप अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, बलजीत रोहिला, पारस सक्सेना, कुंवर सिंह, नितिन पांडेय, राहुल द्विवेदी, और अमितेश राहुल ने जीत दर्ज की। चुनाव अधिकारी पवन गोयल ने जीते हुए सभी पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की।